वर्ष-14, अंक-270
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 03 जनवरी 2024

आज का विचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं माथे के पसीने में होती है।

सिंगल कॉलम

खंडवा में ISI के नाम से बम ब्लास्ट की धमकी, खत हुआ वायरल; पुलिस मान रही शरारती तत्वों की हरकत

खंडवा। खंडवा जिले के खालवा ब्लॉक के पटाजन गांव के एक सरकारी स्कूल जोकि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटाजन के नाम से है, वहां बीते 28 दिसंबर की सुबह स्कूल में लगे ताले के साथ चपरासी को एक पत्र मिला। मिली जानकारी के अनुसार पत्र में आने वाले गणतंत्र दिवस पर उस शासकीय स्कूल को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी। यही नहीं उसमें खंडवा शहर के भी कुछ मुहल्लों और देश के कुछ राज्यों के नाम भी लिखे थे, जहां भी ब्लास्ट करने की धमकी सख्त लहजे में लिखी हुई थी। बता दें कि पत्र भेजने वाले ने आईएसआई संगठन के नाम से पत्र भेजते हुए उसमें पाकिस्तान जिंदाबाद भी लिखा था। हालांकि जानकारी मिलते ही पुलिस ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है और इस पत्र की जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह पत्र किसी शरारती तत्व के द्वारा लिखा होना प्रतीत हो रहा है, वहीं पुलिस जांच अभी इसके संबंध में जारी है। वहीं इस पूरे मामले को लेकर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटाजन के प्रभारी प्राचार्य सुनील कुमार जैन ने बताया कि यह बात सही है, 28 तारीख को लेटर मिला था। सवेरे 9 बजे जब चपरासी स्कूल खोलने के लिए पहुंचा, तो ताले में पक्त्र लगा हुआ पाया गया था। वहीं, इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के सवाल पर प्रभारी प्राचार्य जैन ने बताया कि उन्होंने 28 तारीख को ही एफआईआर दर्ज करा दी थी। पुलिस इसमें अपने हिसाब से जांच भी कर रही है। हालांकि प्राचार्य जैन के अनुसार इसमें अभी तक पुलिस को कोई सुराग हाथ नहीं लगा है।

पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन देख घोड़े पर बैठ डिलीवरी देने पहुंचा ब्वॉय

हैदराबाद पिछले दो दिनों से देशभर में नए हिट एंड रन कानून के विरोध में बस और ट्रक ऑपरेटरों की हड़तालका असर तेलंगाना में भी देखने को मिला। हड़ताल के चलते पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच हैदराबाद के एक ऐसा वीडियो सामने आया जिसे देख हर कोई हैरान है। ये वीडियो जोमोटे के डिलीवरी बॉय का है। इस वीडियो में जोमोटा का डिलीवरी बॉय घोड़े पर ऑर्डर डिलीवर करता हुआ दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि डिलीवरी बॉय की बाइक में पेट्रोल खत्म हो गया था। जिसके बाद उसने अपनी बाइक वहीं छोड़ दी और एक घोड़े पर ऑर्डर डिलीवर करने के लिए निकल पड़ा। बता दें कि ये वीडियो तेलंगाना के हैदराबाद स्थित चंचलगुड़ा का है। वीडियो में एक युवक घोड़े पर दिखाई दे रहा है। युवक ने जोमेटो की टीशर्ट और पीठ पर जोमेटा का डिलीवरी बैग लिया हुआ है। वहीं इस युवक को घोड़े पर ऑर्डर डिलीवरी करने जाते देख लोग इसकी वीडियो बनाने लगे। घोड़े पर सवार होकर पहुंचे इस युवक सड़कों पर लोगों की ओर हाथ हिलाते हुए देखा गया। वीडियो में डिलीवरी बॉय को एक राहगीर से बात करते हुए सुना जा सकता है कि पंपों पर पेट्रोल खत्म होने के बाद उसने भोजन देने के लिए घोड़े पर आने का विकल्प चुना।

नहीं मिला पेट्रोल तो घोड़े पर निकला

वीडियो में युवक ये कह रहा है कि पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं मिला। मैं पिछले तीन घंटे से लाइन पर खड़ा रहा लेकिन पेट्रोल नहीं मिला। ऑर्डर डिलीवर करना था इसलिए मैं घोड़े पर सवार होकर जा रहा है। अब इस युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इस वीडियो को शेयर कर रहे।

पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के

602 नए मामले दर्ज पांच की मौत

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटों में 602 नए कोविड-19 के मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान पांच की मौत हो चुकी है। इसी के साथ देशभर में सक्रिय मामलों की संख्या अब 4440 हो चुकी है। मंगलवार तक सक्रिय मामलों की संख्या 4,565 थी। बता दें कि मंगलवार को 573 नए मामले देखे गए थे और 24 घंटों में हरियाणा और कर्नाटक में कोविड के कारण एक-एक व्यक्ति की मौत भी हुई थी। कोरोना के नए वैरिएंट जेएन.1 के कारण भारत सहित कई अन्य देशों में संक्रमण की रफ्तार में वृद्धि देखी जा रही है। पिछले एक माह के भीतर देश के कई राज्यों में संक्रमितों की संख्या में तेजी से उछाल दर्ज किया गया है। हालिया रिपोर्ट में ओमिक्रॉन सब-वेरिएंट छ्वह्न.1 के अब तक दस राज्यों में पुष्टि की खबर है। इन राज्यों में केरल और गोवा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। केरल में छ्वह्न.1 से 133 और गोवा में 51 लोगों को संक्रमित पाया गया है।

शिवराज ने दी सरकार को चुनौती, एक भी योजना बंद नहीं होने दूंगा

कभी राज तिलक होते-होते वनवास भी हो जाता है : शिवराज

शाहगंज। सत्ता से बेदखल होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान आपा खोते नजर आ रहे हैं। कहीं वे जनता दरबार लगा रहे हैं तो कहीं सरकार को एक भी योजना बंद नहीं होने देने की चुनौती देते नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद अब तक नेतृत्व ने उन्हें कोई काम नहीं दिया है और इससे उपजी उनकी बौखलाहट बार-बार नजर आ रही है।

लगातार बयानों से सुर्खियों में रह रहे शिवराजसिंह चौहान ने सीहोर के शाहगंज में पहुंचे शिवराज वहां मौजूद महिलाओं से कहा कि मैं आपको छोडक़र नहीं जाऊंगा। आपके साथ हूं। मेरे द्वारा चलाई गई एक भी योजना को बंद नहीं होने दूंगा। बहन-बेटियों से किए गए वादे को सरकार हर हाल में पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे लिए बहन-बेटियां ही जनता जनार्दन है। सत्ता से बेदखल होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और जनता के बीच जाकर अपनी लोकप्रियता नेतृत्व तक पहुंचााने का भी प्रयास कर रहे हैं। कल शाहगंज में महिलाओं से घिरे शिवराज ने दार्शनिक अंदाज में कहा कि पार्टी का कोई बड़ा उद्देश्य होगा, इसलिए कभी कभी राजतिलक होते-होते वनवास भी हो जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने चुनावी वादे में जो भी कहा वे करेंगे। बेटे-बेटियों के लिए कोई कसर छोड़ी नहीं जाएगी।

दो बंगलों को एक करने का मामला भी कांग्रेस उठाएगी

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को पहले ही एहसास था किउन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाया जा सकता है, इसलिए उन्होंने अपने 74 बंगला स्थिति अपने एक बंगले को दूसरे बंगले के साथ जोडक़र विशाल बंगला बना लिया। अब कांग्रेस द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं कि दो बंगलों को एक करने के लिए कोई प्रशासनिक अनुमति नहीं ली गई। इसके साथ ही बंगले के नवीनीकरण पर करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए। दो बंगलों को एक कर देने से अब 74 बंगलों की जगह 73 बंगले रह गए हैं। अब कांग्रेस शिवराजसिंह चौहान के बंगले पर सवाल उठा सकती है।

भगवान राम की ससुराल जनकपुरधाम से 25 लोगों को मिला निमंत्रण

काठमांडू । अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को होने जा रहे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए नेपाल के जनकपुरधाम को भी 26 लोगों को निमंत्रण पत्र मिला है। यह निमंत्रण पत्र श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की तरफ से भेजा गया है। जनकपुरधाम भगवान राम की ससुराल है। जनकपुरधाम स्थित जानकी मंदिर के प्रमुख महंथ राम तपेश्वर दास और उत्तराधिकारी महंथ रामरोशन दास को निमंत्रण पत्र मिल गया है। निमंत्रण पत्र को साझा करते हुए महंथ रामरोशन दास ने इसे एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। अत्यंत ही भाव विह्वल होकर महंथ ने कहा कि माता जानकी के घर में होने जा रहे भव्य समारोह के लिए निमंत्रण मिलने से सम्पूर्ण जनकपुरधामवासियों का हृदय प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि माता जानकी की ससुराल में होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा वर्षों से थी। श्रीराम जन्मभूमि पर बनने वाले भव्य मंदिर के शिलान्यास में भी जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। जानकी मंदिर के महंथ ने कहा कि रामलला के इस मंदिर में प्रयोग करने के लिए नेपाल के पवित्र काली गंडकी नदी जहां से शालीग्राम पत्थर मिलता है वहां से दो बड़े-बड़े पत्थरों को भी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को समर्पित किया गया था। महंथ रामरोशन दास ने कहा कि इसलिए भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में निमंत्रण मिलना हमारे लिए काफी खास है।

आज बंगाली चौराहे पर आयुक्त हर्षिका सिंह ने स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत रेड स्पॉट की सफ़ाई करवाई इस अवसर पर पार्षद प्रणव मंडल उपस्थित रहे

इंदौर की स्वच्छता का 223 वर्षों का इतिहास आया सामने

स्वच्छता पर देश की पहली पीएचडी देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से हुई

इंदौर । देश में लगातार छह बार स्वच्छता को लेकर पहले स्थान पर आने के साथ ही इंदौर का नाम अब स्वच्छता पर शोध को लेकर भी सिरमौर हो गया है। स्वच्छता पर देश की संभवत- पहली पीएचडी इंदौर के देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला ने करवायी है। खास बात यह है कि शोध में इंदौर की स्वच्छता का 223 वर्षों का इतिहास सामने आया है। पीएचडी का शीर्षक ''इंदौर शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता में मीडिया की भूमिका'' है। पिछले 6 वर्षों से देश में सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीत रहे इंदौर शहर के नाम स्वच्छता को लेकर एक और उपलब्धि जुड़ गयी है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवम जनसंचार अध्यनशाला से स्वच्छता पर पहली पीएचडी अवॉर्ड हुई है। विभागाध्यक्ष डॉ सोनाली नरगुंदे के निर्देशन में जितेन्द्र जाखेटिया ने यह शोघ किया है। शोध में जाखेटिया ने देश में चल रहे स्वच्छता अभियान पर इंदौर को केंद्रित कर अपना शोधकार्य प्रस्तुत किया। डा नरगुंदे ने बताया, शोध में स्वच्छता अभियान के इतिहास से लेकर अभी तक के सभी प्रयासों को शामिल किया। शोध में 700 लोगों, खासकर स्वच्छता कर्मियों से प्रश्नावली भरवाई और 300 किताबों व आलेख का गहन अध्ययन करने के बाद अपना शोध कार्य किया। इंदौर के स्वच्छता अभियान संबंधी सभी कदमों को उपयोगिता के मापदंड पर परखने के लिए मध्यप्रदेश के अन्य 4 शहरों भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर से इंदौर की तुलना भी की गई। शोध में इंदौर के पिछले 223 वर्ष के स्वच्छता के इतिहास को विस्तार के साथ उजागर किया गया है । इंदौर मैं स्वच्छता पर पहली बार काम वर्ष 1800 में शुरू हुआ था। 1810 में फैली प्लेग महामारी से लेकर वर्तमान काल तक के स्वच्छता के कार्यों को जगह मिली। राजनीतिक माहौल का भी असर स्वच्छता अभियान पर साफ दिखाई दिया और यह सामने आया की नेता और अन्य राजनीतक संबध वाले लोग अपने करीबियों को कार्रवाई से नहीं बचा रहे थे। वही दूसरी तरफ 2014 से सभी नेताओं ने स्वयं स्वच्छता को बढ़ावा दिया और स्वच्छता अभियान में बाधा बनने वाले लोगो का विरोध किया। गंदगी से फैलने वाली बीमारियों को ध्यान में रखकर निजी एवम सरकारी शौचालयों का निर्माण करवाया, लोगों से कचरा अलग अलग कर डस्टबिन में डालने का आग्रह किया और मीडिया की मदद से जनता तक सभी जरूरी सूचनाएं पहुंचाई गई। शोध में यह निष्कर्ष रहा कि मीडिया के माध्यम से ही जनता को हर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध हुई । जिससे की जनता शिक्षित हुई और एक जन जागरण का आगाज हुआ जिसमे राजनीतिक इच्छाशक्ति भी सम्मिलित हुई। इंदौर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए जनता के व्यवहार में परिवर्तन में इस शहर के प्रिंट मीडिया ने सबसे अहम भूमिका का निर्वहन किया । प्रिंट मीडिया के द्वारा जिस तरह से जनता को शिक्षित और जागरूक करने का काम किया गया उसी का परिणाम है कि वर्ष 2017 में पहली बार जब इंदौर स्वच्छता में नंबर एक बना तो फिर तब से लेकर अब तक नंबर एक की ही स्थिति में है ।

सिंगल कॉलम

करोड़ों रुपये के घोटाले में ईओडब्ल्यू ने डाक्टर बदलानी सहित तीन पर दर्ज की एफआइआर

इंडो फेंड्स फाउंडेशन ट्रस्ट घोटाला - फर्जी नियुक्ति कर शिक्षण संस्थान से वेतन लेने का आरोप। आरोप है कि आरोपितों ने अपनों को उच्च पदों पर पदस्थ कर करोड़ों रुपये का गबन किया। स्वयं की बसों को भी ट्रस्ट के संस्थानों में अटैच कर जमकर मुनाफा कमाया। शिकायत के बाद ईओडब्ल्यू ने जांच की और तीनों पदाधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

इंदौर। इंडो फेंड्स फाउंडेशन ट्रस्ट घोटाले में आर्थिक अपराध ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने डा. रमेश बदलानी, डा. आरएस माखीजा और सतविंदरसिंह माखीजा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपितों पर फर्जी नियुक्ति से वेतन प्राप्त करने और आर्थिक गड़बड़ी करने का आरोप है। डीएसपी (ईओडब्ल्यू) पवन सिंघल के मुताबिक ट्रस्ट द्वारा महाराजा रणजीतसिंह कालेज आफ प्रोफेशनल साइंसेस खंडवा रोड़ का गठन किया गया था। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की मदद, शिक्षित एंव मुफ्त उपचार करना था। ट्रस्ट के अंतर्गत महाराजा रणजीतसिंह कालेज आफ प्रोफेशनल साइंसेस, गुरु हरकिशनसिंह पब्लिक स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. रमेश बदलानी, मैनेजिंग ट्रस्टी आरएस माखीजा और सीईओ सतविंदरसिंह माखीजा हैं। अपनों को उच्च पदों पर बैठाकर करोड़ों रुपयों का किया गबन आरोप है कि आरोपितों ने अपने तीन संस्थान माता गुजरी गर्ल्स कालेज, किड्स वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल, माता गुजरी गर्ल्स स्कूल के माध्यम से अपने परिवार के सदस्य हरशरण कौर माखीजा, सतविंदर, रमणदीप को उच्च पदों पर पदस्थ कर करोड़ों रुपयों का गबन किया। माखीजा ने स्वयं की बसों को कालेज में अटैच कर मुनाफा कमाया। डीएसपी के मुताबिक सतविंदर सिंह माखीजा द्वारा एमबीए, एमसीए, एमएससी के तीनों कोर्स का वेतन लिया। उसने गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल से अलग अवैध वेतन लिया। उसने 10 अप्रैल 2018 से 10 अप्रैल 2022 तक एक करोड़ 13 लाख 7 हजार 272 रुपये प्राप्त कर लिए। शिकायत के बाद ईओडब्ल्यू ने जांच की माखीजा ने अपनी पुत्री गुरुविंदर कौर मल्होत्रा को भी प्लेसमेंट अधिकारी बनाकर 21 लाख 58 हजार रुपये का वेतन दिया। गुरुविंदर दिल्ली में रहती है। माखीजा ने पत्नी हरशरण कौर को गुरु हरकिशन सिंह स्कूल में शिक्षक के रूप में नियुक्त करवाकर 19 लाख 14 हजार 725 वेतन जारी कर दिया। कुछ कर्मचारियों को अकाउंट में छह महीने का दो बार वेतन देना दर्शा दिया। शिकायत के बाद ईओडब्ल्यू ने जांच की और तीनों पदाधिकारियों पर केस दर्ज कर लिया।

देपालपुर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला जलाने के मामले में भाजपा संगठन ने रिपोर्ट तलब

भाजपा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष बोले- तीन नाम भेजे हैं, कार्रवाई भोपाल से होगी। समारोह में विजयवर्गीय ने कहा था कि मनोज पटेल जैसे लोग जीत गए। मतलब बड़ी बात है। इस बयान के पटेल समर्थकों ने दूसरे मायने निकाले और विजयवर्गीय का पुतला फूंका। समर्थकों का कहना था कि इस बयान को लेकर विजयवर्गीय को माफी मांगनी चाहिए।

इंदौर। देपालपुर में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला जलाने के मामले में भाजपा संगठन ने रिपोर्ट तलब की है। पार्टी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष घनश्याम नारोलिया ने बताया कि पुतला जलाने वालों की पहचान कर ली गई है। ये विधायक मनोज पटेल के समर्थक जरूर हैं, लेकिन वर्तमान में पार्टी में किसी पद पर नहीं है। वीडियो में कुछ पदाधिकारी पुतला जलाने वालों के बगल में खड़े जरूर नजर आ रहे हैं। इन सभी की पहचान कर नाम भोपाल भेज दिए गए हैं। संगठन ने हमें जो जिम्मेदारी सौंपी थी वह हमने पूरी कर दी। आगे जो भी कार्रवाई होना है, वह भोपाल से अनुशासन समिति की अनुशंसा पर ही होगी। यह था मामला देपालपुर में रविवार को कुछ लोगों ने नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान का विरोध करते हुए भाजपा कार्यालय के बाहर उनका पुतला जलाया था। ये लोग विजयवर्गीय के बयान का विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि विजयवर्गीय को अपने बयान पर माफी मांगना चाहिए।

वाट्सएप पर वाइस मैसेज कर तीन तलाक, पति पर केस

उसने काल कर धमकाया और वाइस मैसेज कर तीन बार तलाक, तलाक, तलाक कहा।

इंदौर। शादी के दो साल बाद ही मुस्लिम युवक ने पत्नी को वाइस मैसेज कर तलाक दे दिया। रावजी बाजार पुलिस ने मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। महिला की एक बेटी भी है।रावजी बाजार पुलिस के मुताबिक जबरन कालोनी निवासी 23 वर्षीय हुमेरा की शादी हीना पैलेस (खजराना) निवासी मोहम्मद इरफान से 21 मार्च 2021 को हुई थी। उसका आरोप है कि शादी के तीन महीने बाद ही पति परेशान करने लगा। हुमेरा बीमार हुई लेकिन उसका उपचार तक नहीं करवाया। बच्चे न होने पर उसको बांझ बोलकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। अक्टूबर 2022 में मो. इरफान ने हुमेरा को उसकी मां के पास जबरन कालोनी में छोड़ दिया। इस दौरान हुमेरा गर्भवती हुई तो पति ने चरित्र पर आरोप लगाया और कहा कि बेटी उसकी नहीं है। काफी समझाने के बाद जुलाई 2023 में वह हुमेरा को ससुराल ले गया। इस बीच बेटी बीमार हुई तो हुमेरा के पिता ने ही इलाज करवाया। 18 दिसंबर को उसने काल कर धमकाया और वाइस मैसेज कर तीन बार तलाक, तलाक, तलाक कहा। उसने 27 दिसंबर को शहर काजी के पास बुलाया और तीन बार तलाक कहा। मामले में हुमेरा ने सोमवार को थाना में शिकायत की और पति के खिलाफ केस दर्ज करवाया।

इंदौर में पिस्टल और चाकू अड़ाकर बदमाशों ने डीजे की गाड़ी लूटी

सिटी चीफ इंदौर।
तमाम गश्त और पेट्रोलिंग के बावजूद शहर में लूट हो गई।हथियार लेकर आए बदमाशों ने डीजे वाहन को लूट लिया। चंदन नगर पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपितों ने वाहन चालक के साथ मारपीट भी की है। पुलिस पुरानी रंजीश बता रही है।घटना मंगलवार रात पौने 12 बजे दस्तुर गार्डन के समीप की है। फरियादी शुभम सोहन कुशवाह निवासी पिपल्याराव जगन्नाथपुरी ने आरोपित राजाराम निवासी देवगुराड़िया और उसके साथियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवाई है। शुभम के मुताबिक वह डीजे वाहन लेकर जा रहा था। मंदिर के पास आरोपित राजाराम व उसके साथियों ने गाड़ी रोक ली। शुभम और उसके साथी दीपक व अतुल के साथ मारपीट की। आरोपितों ने चाकू और पिस्टल भी निकाल ली। आरोपितों ने मारपीट की और गोली मारने की धमकी देते हुए गाड़ी से साउंड सिस्टम (यामा एमजीपी 32 चैनल डिजिटल मिक्सर, एम्पीफायर) सहित अन्य सामान लूट लिया। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपितों की तलाश की। देर रात पुलिस ने इस मामले में राजाराम के खिलाफ नामजद लूट की धारा में केस दर्ज कर लिया। पुलिस के मुताबिक राजाराम और शुभम के बीच पुराना विवाद चला आ रहा है। दोनों एक-दूसरे से रंजीश रखते है। वारदात पुरानी रंजीश में ही हुई है। डीजे न देने पर ईट से हमला, तीन पर केस द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में भी डीजे न देने की बात पर विवाद हो गया। ईट से हमला करने पर पुलिस ने महिला सहित तीन पर एफआइआर दर्ज कर ली। घटना बुद्धनगर की है। फरियादी सोनू वानखेड़े की शिकायत पर रघुनाथ बोराड़े, उसके भाई और पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट लिखी है। फरियादी के मुताबिक आरोपित डीजे लेने आया था। मशीन न होने से इन्कार किया तो तीनों ने हमला कर दिया। उधर पुलिस ने रघुनाथ बोराड़े की शिकायत पर सतनाम, विकास, सचिन और एक महिला के खिलाफ रिपोर्ट लिखी है। रघुनाथ ने पुलिस को बताया कि आरोपितों ने ईट से हमला कर दिया।

टमाटर थोक में एक हजार रुपये केरेट तो सब्जियां 35 से 80 रुपये किलो

सिटी चीफ इंदौर।
ड्रायवरों की हड़ताल का असर चोइथराम मंडी में भी नजर आया। सोमवार को नववर्ष का पहला दिन होने से मंडी बंद थी। मंगलवार को मंडी को खुली लेकिन आमदिनों के मुकाबले सिर्फ एक तिहाई सब्जियां ही पहुंची। हड़ताल के चलते बड़े वाहन उपलब्ध नहीं होने की वजह से किसान छोटे-छोटे वाहनों से माल लेकर पहुंचे।सब्जियों की आवक आम दिनों के मुकाबले कम होने का असर कीमतों पर भी पड़ा। मंगलवार को थोक बाजार में टमाटर एक हजार रुपये कैरेट तक बिका। सब्जियां भी 35 से 80 रुपये किलो तक रही। इसके चलते खेरची में सब्जियों के दाम बढ़ गए। व्यापारियों का कहना है कि मंगलवार सुबह 4 से 7 बजे तक जोरदार व्यापार हुआ। बाहर के व्यापारियों के नहीं आने की वजह से स्थानीय व्यापारियों ने जोरदार खरीदारी की, बावजूद इसके खेरची बाजार में दाम कम नहीं हुए। व्यापारियों के मुताबिक आम दिनों में चोइथराम मंडी में 500 के लगभग गाडियों की आवक होती है लेकिन हड़ताल के चलते मंगलवार को 150 के लगभग गाड़ियां ही पहुंच सकीं। फलों की आवक भी हुई प्रभावित हड़ताल के चलते फलों की सप्लाय भी प्रभावित हुई है। बाहर से आने वाले माल की आवक कम होने के कारण थोक में दाम बढ़ गए। इसके चलते खेरची विक्रेताओं ने भी दाम में बढ़ोतरी कर दी।

श्रीराम के घर जा रहीं इस्लाम की बेटी शबनम

सिटी चीफ इंदौर।
देश की एक मुस्लिम बिटिया मजहब की दीवारों को तोड़कर, विवादों-मनमुटावों को परे हटाकर, दकियानूसी सोच और मजहबी दबावों को किनारे रखकर उठीं और चल पड़ीं देश के मन में बसे श्रीराम का दर्शन करने।चित्र में दिख रहीं यह युवती कोई और नहीं बल्कि वह शबनम हैं, जो मुंबई से अयोध्या तक की पैदल यात्रा कर रही हैं। वे अयोध्या में बन रहे प्रभु श्रीराम के नव्य-भव्य मंदिर पहुंचकर अपनी यात्रा का समापन करेंगी। मंगलवार को वे इंदौर से होकर गुजरीं तो शहरवासियों ने जगह-जगह इस साहसी बिटिया का स्वागत किया। बुर्का पहने शबनम जब जय श्रीराम के नारे लगा रही थीं, तो सबका मन मोह रही थीं। सभी लोग उनके साथ नारे लगाने लगे। शबनम के साथ उनके साथी रमन राज शर्मा और विनीत पांडे भी हैं। 13 दिन पहले निकले थे मुंबई से रमन ने नईदुनिया से चर्चा में बताया कि हमें मुंबई से निकले 13 दिन हो गए हैं। जगह-जगह लोगों का जो प्यार मिल रहा है, इसकी हमें खुशी है। शबनम के बारे में बताते हुए कहा कि उनका परिवार शुरुआत से ही सनातन धर्म के प्रति आस्था रखता है। बचपन से शबनम ने भी रामायण देखी है। वे मंदिरों में भी जाती रहती हैं। शबनम बताती हैं कि हमेशा लड़के ही पैदल यात्रा करते हुए नजर आते हैं, लेकिन लड़कियां कभी नजर नहीं आतीं, इसलिए मैंने इस धर्म-यात्रा का बीड़ा उठाया। मैं देशवासियों को संदेश देना चाहती हूं कि स्त्री भी धर्म और भक्ति की कष्टप्रद यात्राओं में साधना कर सकती है। वे कहती हैं- श्रीराम सभी के हैं। वे मेरे भी उतने ही हैं, जितने किसी और के। मेरी यात्रा उन्हें मेरा प्रणाम है।

सुंदरकांड पाठ के साथ ही शहर में ले सकेंगे मेले का मजा

सिटी चीफ इंदौर।
शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 3 जनवरी को होंगे। शहर में साहित्यिक आयोजन भी होगा और धार्मिक समारोह भी आयोजित होंगे। धर्म-अध्यात्म में रूचि रखने वालों के राम कथा भी होगी तो कल्पद्रुम महामंडल विधान में 100 अर्घ्य अर्पित किए जाएंगे। दिन की शुरुआत ध्यान-अध्यात्म के माध्यम से होगी तो शाम सुंदरकांड पाठ से भक्तिमय होगी। छत्रीबाग स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान में सुबह नाम जप परिक्रमा होगी। सुबह होने वाली इस परिक्रमा में भक्त भगवान वेंकटेश और देवी लक्ष्मी के नाम का जप करते हुए उनकी परिक्रमा करेंगे। नौ दिनी कल्पद्रुम महामंडल विधान दिगंबर जैन नवग्रह जिनालय, ग्रेटर बाबा परिसर में आयोजित किया जा रहा है। विधान अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागर महाराज एवं क्षुल्लक अनुश्रमण सागर महाराज के सान्निध्य में होगा। इसमें सुबह मंगलाष्टक, अभिषेक, पूजन, शांतिधारा, गुरुआज्ञा, दीप प्रज्वलन, मंडप उद्घाटन, मंडप शुद्धि, अंकुरारोपरण के साथ विभिन्न कार्यक्रम होंगे। प्रतिदिन कई सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। ब्रह्माकुमार संस्थान का योग एवं ध्यान शिविर राजयोग मेडिटेशन सेंटर गंगोत्री विहार पंचकुइया रोड पर सुबह आयोजित होगा। इसमें साधक ध्यान की विधि और उसका महत्व जान सकेंगे। नौ दिनी रामकथा गणेश नगर में दोपहर 1 बजे से होगी। इस कथा प्रसंग के अनुसार उत्सव मनाए जाएंगे। कथा आचार्य डा. सुरेश्वरदास महाराज के मुखारविंद से होगी। चार दिनी रणजीत अष्टमी महोत्सव रणजीत हनुमान मंदिर में आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव के तीसरे दिन मंदिर परिसर में सुबह 11 बजे विशेष अनुष्ठान होगा। इस अनुष्ठान में सवा लाख रक्षासूत्रों को अभिमंत्रित किया जाएगा। उत्सव के बाद यह रक्षासूत्र भक्तों को वितरित किए जाएंगे। सर्दी के मौसम में शहर में प्रवासी परिंदों की आमद बहुतायत में होती है। प्रकृति से प्रेम करने वाले, फोटोग्राफी के शौकीन या परिवार के साथ प्राकृतिक वादी में जो दिन बिताना चाहते हैं वे सिरपुर तालाब पहुंच प्रवासी पक्षियों को निहार सकते हैं। साहित्य अनुरागियों के लिए आज शाम बेहतर साबित हो सकती है। श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति और हिंदी परिवार द्वारा किए जा रहे साझे आयोजन श्रोता संवाद में आप शाम 5 बजे शामिल होकर साहित्य पर चर्चा कर सकेंगे। आज 2 बजे बाद यदि आप विजय नगर क्षेत्र में हैं और आपके पास वक्त है तो महालक्ष्मी नगर मैदान में लगे मेले का आनंद ले सकते हैं। यहां आप रंगीन मछलियों की खूबसूरत दुनिया करीब से देख सकते हैं और झूलों का भी आनंद ले सकते हैं।

दिल्ली से मिले आश्वासन के बाद इंदौर में वाहनों पर लौटे ड्राइवर

हिट एंड रन कानून के विरोध में नए साल की एक तारीख से शुरू हुआ ड्राइवरों का विरोध प्रदर्शन दिल्ली से मिले आश्वासन के बाद खत्म हो गया। बुधवार को ड्राइवर वाहनों पर लोट आए। शहर के सभी बस स्टैंड से सुबह अन्य शहरों के लिए रवाना हुई, लेकिन जानकारी नहीं होने से सुबह यात्री नहीं पहुंचे।यात्रियों के नहीं आने के कारण सुबह संचालित होने वाली बसों को रवाना नहीं किया गया। सुबह 12 बजे बाद धीरे-धीरे लोग बस स्टैंड पहुंचने लगे। शाम तक लोगों की आवाजाही सामान्य होने का अनुमान है। बस-ट्रक चालक-परिचालकों की हड़ताल समाप्त होने के बाद सुबह बसों का संचालन शुरू हुआ। सरवटे बस स्टैंड पर ड्राइवर बस संचालन के लिए पहुंच गए थे, लेकिन यात्रियों की संख्या नहीं के बराबर रही। यही हाल गंगवाल और नवलखा बस स्टैंड का रहा। शहर में बुधवार से सिटी बस और आई बसों का संचालन भी पूरी क्षमता से शुरू हुआ।सभी रूटों पर सिटी बसों का संचालन किया गया। वहीं 49 आईबसों को भी संचालित किया गया। हड़ताल खत्म होने से लोगों की कठनाई भी कम हुई। कामकाज और शिक्षा के लिए आने-जाने वाले लोगों को परेशानी नहीं हुई। इन रूटों पर रवाना हुई बसें दो दिन की हड़ताल के बाद बुधवार को इंदौर से भोपाल, हरदा, होशंगाबाद, खंडवा, खरगोन, धार, झाबुआ, उज्जैन और देवास जैसे रूटों पर बसों का नियमित संचालन शुरू हुआ।हालाकि सुबह कम संख्या में बसों का संचालन किया गया। यात्रियों की संख्या कम होने से सुबह की कई बसें रवाना नहीं हुई। दो दिन से बसें बंद है, ऐसे में बुधवार से बड़ी संख्या में लोग यात्रा के लिए पहुंच सकते है।

पथरीली जमीन पर हरियाली, डेढ़ साल में पांच फीट हुए सवा लाख पौधे

सिटी चीफ इंदौर।
इच्छाशक्ति हो तो व्यक्ति कोई भी मुश्किल कार्य को आसानी से अंजाम दे सकता है। यह पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए काम करने वाले वन विभाग ने सार्थक कर दिया है। फील्ड फायरिंग के बदले विभाग को मिली जमीन पर बरसों तक ग्रामीण मवेशियों को चराया करते थे। जमीन को चरवाह भूमि माना गया था।पथरीली और लाल मिट्टी वाली जमीन पर अब पौधे लहलहाने लगे हैं। महज डेढ़ साल में पौधे चार से पांच फीट तक पनप गए हैं। इनकी देखभाल के लिए वन विभाग गंभीर है, क्योंकि गर्मियों में ट्यूबवेल सूख जाते है तो टैंकरों से पौधों को पानी डलवाया जाता है। उसकी बदौलत ही गर्मियों में भी पौधे हरे-भरे नजर आते हैं।

पथरीली जमीन थी दरअसल, बेरछा फील्ड फायरिंग के बदले में इंदौर वन मंडल की मानपुर रेंज को अवलाई वनक्षेत्र में 120 हेक्टेयर जमीन मिली। 1999 से 2021 तक जमीन पर ग्रामीण अपने मवेशियों को चराते थे। पथरीली और लाल मिट्टी होने से अधिकारियों ने यहां पौधारोपण की योजना नहीं बनाई। उन्हें लगता था कि जमीन पर पौधे ठीक से पनप नहीं पाएंगे। कई बार उन्होंने प्रयोग कर कुछ पौधे भी रोपे, लेकिन छह-सात महीने में पौधे मुरझा जाते थे। बाद में जमीन को अतिक्रमण से बचाने के लिए अधिकारियों ने पौधे रोपने को लेकर रुचि दिखाई। वहां पहले काली मिट्टी की व्यवस्था की। आसपास के इलाकों व वनक्षेत्र से मिट्टी फैलाई गई। इसके बाद 120 हेक्टेयर में पौधे लगाने की योजना को लेकर प्रस्ताव तैयार किया। वन विभाग मुख्यालय ने एक लाख 20 हजार पौधे रोपने की स्वीकृति दी गई।

पिछले दशक का सबसे बड़ा पौधारोपण 2022 जून में पौधे लगाने का काम तीन दिन में किया गया। उसके पहले अप्रैल में गड्ढे करवाए गए, जिसमें लाल-काली मिट्टी के साथ ही रेत और खाद डाली गई। गड्ढों को जून में तैयार कर लिया। उसके बाद पंद्रह दिन में मजदूरों की मदद से पौधे लगा दिए। इसके बाद पूरे क्षेत्र को तार फेंसिंग कर सुरक्षित कर लिया। खास बात यह है कि इंदौर वनमंडल का 2014 के बाद सबसे बड़ा पौधारोपण किया गया। गर्मियों में तीन दिन में एक बार टैंकरों से पानी डाला जाता है। डेढ़ साल में पौधे की चार से पांच छह फीट तक बड़े हो गए हैं। यहां सागवान, विलायती इमली, चिरोल, भेड़ा, महुआ, बांस, करंज, नीम, अवला सहित अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे हैं। रेंजर पीएस चौहान का कहना है कि पौधारोपण को लेकर मुख्यालय से भी निगरानी होती है। यहां पौधे मुरझाते हैं तो तुरंत इन्हें बदल दिया जाता है। इतनी बड़ी संख्या में पौधे लगाने से यहां काफी फायदा हुआ है। इनकी वजह से एक डिग्री आसपास का तापमान कम रहता है।

आठ साल में बना जंगल

सिमरोल में आइआइटी का निर्माण जंगल की जमीन पर होना था। 2015 में आइआइटी की तरफ से सीतापाट में वन विभाग को जमीन मिली। ये मानपुर रेंज में आने वाले सीतापाट की पहाड़ी है। 2015 में 40 हेक्टेयर में 40 हजार पौधे रोपे गए थे, जो आठ साल में 15-15 फीट के पेड़ बन चुके हैं। पहले सिर्फ बंजर पहाड़ी नजर आती थी, जो अब जंगल बन चुका है। यहां 25 प्रजातियों के पौधे लगाए हैं।

साइबर अटैक में ई-नगर पालिका पोर्टल से 50 लाख मकानों का डाटा चोरी का संदेह

जांच में जुटे एक्सपर्ट

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ई-नगर पालिका पोर्टल के बाद अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के स्टेजिंग सर्वर पर साइबर अटैक का संदेह है। इस सर्वर का उपयोग ट्रायल के लिए किया जाता है। साइबर विशेषज्ञ जांच में जुट गए हैं। उधर, ई-नगर पालिका पोर्टल पर साइबर अटैक से उसमें दर्ज 50 लाख मकानों का डाटा चोरी हुआ या नहीं, इसकी जानकारी अब तक विभाग नहीं जुटा पाया है इसे लेकर अपर मुख्य सचिव गृह डा. राजेश राजोरा ने साइबर सुरक्षा को लेकर आयोजित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में नाराजगी जताई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सात दिन में इसकी रिपोर्ट दी जाए। ई-नगर पालिका पोर्टल पर हुए साइबर अटैक की घटना के बाद अपर मुख्य सचिव गृह ने नगरीय विकास, स्वास्थ्य, सायबर पुलिस सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने एनएचएम के स्टेजिंग सर्वर पर साइबर अटैक को लेकर पूछा तो यह बताया गया कि दो दिन पहले

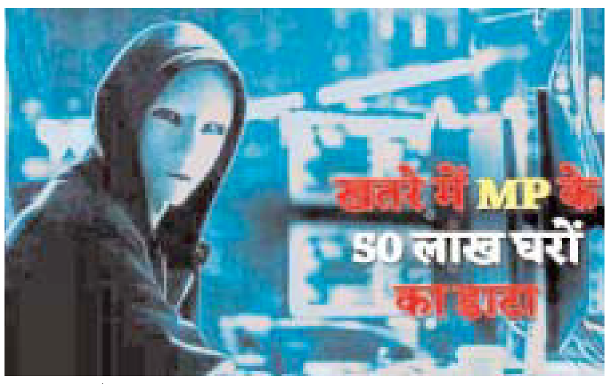

कुछ हुआ है। इसकी जांच कराई जा रही है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव ने बताया कि स्टेजिंग सर्वर पर गड़बड़ी हुई है, जिसकी जांच कराई जा रही है। उधर, डा. राजोरा ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों से पूछा कि ई-नगर पालिका पोर्टल में जिन 50 लाख मकानों का डाटा था, उसकी क्या हालत है। इस पर प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई सहित अन्य अधिकारी स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाए, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और सात दिन में रिपोर्ट मांगी। आपरेटिंग सिस्टम लगा था जांच में यह भी सामने आया कि सर्वर में 2012 का आपरेटिंग सिस्टम लगा था। इसे लेकर भी बैठक में आपत्ति जताई गई। इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर, नेटवर्किंग और एप्लीकेशन आडिट होता है, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर आडिट नहीं हुआ। इससे गड़बड़ी की संभावना बनी रहती है। नियमानुसार पोर्टल का डाटा दो जगह रखा जाता है पर यह एक ही सर्वर में रखा गया था। यह व्यवस्था साइबर सुरक्षा के निर्धारित मापदंड के अनुरूप नहीं है। जब साइबर अटैक की सूचना मिली तो इसे बंद कर दिया गया, जिससे डाटा भी खत्म हो गया। सर्वर में 60 टेराबाइट डाटा था। हालांकि, गनीमत यह रही कि आफलाइन डाटा हार्डडिस्क में रखा गया था, जिससे तीन दिन पहले यानी 18 दिसंबर तक का बैकअप मिल जाएगा। सिक्योरिटी आडिट कराएं, अलग-अलग सर्वर का उपयोग न करें बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह ने निर्देश दिए कि सभी विभाग सिक्योरिटी आडिट कराएं। अलग-अलग सर्वर का उपयोग न करें। राज्य डाटा सेंटर के बाहर परिवहन, ऊर्जा, कोषालय, पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा डाटा रखने पर भी आपत्ति जताई गई और कहा कि इसे एक स्थान पर लेकर आया जाए ताकि सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। नकली पोर्टल बनाकर कोई दुरुपयोग न करे, इसलिए डोमेन नेम एक किया जाए। 35 से 40 एप्लीकेशन हुए प्रभावित ई-नगर पालिका पोर्टल पर फास्ट रैंसमवेयर का हमला हुआ था। सर्वर पर 35 से 40 एप्लीकेशन थे, जो प्रभावित हुए। साइबर हमला 21 दिसंबर को सुबह दस बजे हुआ। इसकी जानकारी लगते ही सर्वर को बंद कर दिया गया। इसके पहले भी 2023 में पावर मैनेजमेंट कंपनी के आंतरिक आइटी सिस्टम और जुलाई 2023 में भी कई साइटों के सर्वर को निशाना बनाया गया था।

अपने विभागों का सप्ताह में तीन बार निरीक्षण करेंगे अपर आयुक्त

सिटी चीफ भोपाल।
अपने चैंबरों से ही पूरे शहर की व्यवस्था संभालने वाले नगर निगम के अफसरों को अब सप्ताह में तीन बार बाहर निकलना होगा। नगर निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने सभी अपर आयुक्तों को निर्देश दिए कि अब लापरवाही बिल्कुल नहीं चलेगी। सभी को अपने विभाग के साथ शाखाओं का औचक निरीक्षण करने के साथ कामकाज की समीक्षा करनी होगी। सप्ताहभर अधिकारियों ने क्या किया? इसकी रिपोर्ट खुद आयुक्त देखेंगे। दरअसल नगर निगम के सभी अपर आयुक्तों के चैंबर आईएसबीटी में हैं। जबकि शहर के हर इलाके में निगम का अपना दफ्तर है। हर वार्ड में एक वार्ड कार्यालय के हिसाब से 85 वार्ड कार्यालय हैं। वहीं 21 जोन कार्यालयों के दफ्तरों के अलावा 21 ही सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों के दफ्तर, 11 नागरिक सुविधा केन्द्र, यांत्रिक विभाग का स्मार्ट सिटी मुख्यालय के पास अलग हेड क्वाटर, वाटर वर्क्स के करीब 10 दफ्तर, दो वर्कशॉप, शाहपुरा में बिल्डिंग

परमिशन शाखा का मुख्यालय, फतेहगढ़ में फायर कंट्रोल रूम हेड क्वाटर के साथ ही अलग-अलग इलाकों में फायर सब स्टेशन, न्यू मार्केट में जनसंपर्क और वाचनालय का हेड क्वाटर है। ऐसा कोई इलाका नहीं, जहां निगम के दफ्तर नहीं हैं। अधिकारियों को ही नहीं पता निगम के कई कार्यालय नगर निगम के अपर आयुक्तों को ही अपने कई दफ्तरों के पते नहीं मालूम। हाल ही में जब इसकी जानकारी निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए को पता चली तो उन्होंने सभी अपर आयुक्तों अपने-अपने अधीनस्थ विभागों, शाखाओं का सप्ताह में तीन बार निरीक्षण करने को कहा। आयुक्त ने कहा कि कर्मचारियों के सर्विस रिकार्ड भी अपडेट रखे और कर्मचारियों की वेतन कटौती, कारण बताओ नोटिस, स्पष्टीकरण, वेतन वृद्धि रोकने का काम तुरंत करें। जीएडी से कहा कि कर्मचारियों व अधिकारियों के ट्रांसफर आदेश में ट्रांसफर के बाद खाली पद पर किस कर्मचारी से काम लिया जाएगा, इसका भी स्पष्ट उल्लेख आदेश में करें।

रवींद्र भवन में उठाएं युवा उत्सव का आनंद

जनजातीय संग्रहालय में देखें भील चित्र प्रदर्शनी

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। बुधवार 03 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।डाक टिकट प्रदर्शनी - जीपी बिडला संग्रहालय में चल रही कला समय पत्रिका के प्रदर्शन में डाक टिकट प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में लगभग 500 से अधिक टिकटों को प्रदर्शित किया जा रहा है। इसे सुबह साढ़े दस बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में उत्तराखंड के लोकवाद्य हुड़का को प्रदर्शित किया गया है। हुड़का एक घड़ी के आकार का वाद्य होता है। इस प्रादर्श को सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय

संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का शुभारंभ आज होगा। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। पुरातत्व प्रदर्शनी - राज्य संग्रहालय में डा. वीएस वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान द्वारा प्रदेश भर में निष्पादित पुरातत्वीय कार्यों और शैलश्रालयों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

रास्ता रोककर चक्काजाम करने वाले तीन सौ अज्ञात चालकों पर एफआइआर दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।
नए हिट एंड रन कानून के विरोध में सोमवार को प्रदर्शन करने वाले करीब तीन सौ अज्ञात भारी वाहन चालकों के खिलाफ बिलखिरिया और ईंटखेड़ी थानों में प्रकरण दर्ज किए गए हैं। बिलखिरिया थाने में रास्ता रोककर चक्काजाम करने और ईंटखेड़ी थाने में चक्काजाम करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि फोटो और वीडियो देखकर आरोपितों की पहचान की जाएगी।जानकारी के अनुसार नए हिट एंड रन संबंधी कानून में दुर्घटना करने के बाद भाग जाने वाले वाहन चालकों पर 07 लाख रुपये तक जुर्माना और दस साल की सजा का प्रावधान किया गया है।इसके विरोध में सोमवार को पूरे भोपाल जिले में ट्रक और अन्य ड्राइवरों ने जमकर प्रदर्शन किया। कई स्थानों पर प्रदर्शन करने वालों ने आम लोगों के साथ भी बदसलूकी की। बिलखिरिया थानांतर्गत कोकता बायपास चौराहे के पास दोपहर करीब बारह बजे से ढाई-तीन बजे तक लगभग डेढ़ सौ भारी वाहन चालकों ने जमकर हंगामा मचाया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने चक्काजाम कर दिया था। प्रदर्शन के दौरान वहां से निकल रहे साइकिल सवार अजय बंजारा को रोक लिया गया था। पुलिस ने बाद में अजय की रिपोर्ट पर अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा और चक्काजाम करने का केस दर्ज कर लिया। इधर भी दर्ज हुआ प्रकरण इधर, ईंटखेड़ी पुलिस ने मंगलवार सुबह सुनील गुर्जर नामक व्यक्ति की रिपोर्ट पर करीब डेढ़ सौ अज्ञात ट्रक यूनियन वाहन चालकों के खिलाफ चक्काजाम कर प्रदर्शन करने का मामला दर्ज किया है। इन प्रदर्शनकारियों ने सोमवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे से ईंटखेड़ी स्थित बायपास चौराहे पर चक्काजाम किया था।

ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में 500 कब्जे बाकी

अतिक्रमण-रोधी कार्रवाई पर लगा विराम

सिटी चीफ भोपाल।
जिले में ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ निगम प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अब तक सिर्फ 200 ही अतिक्रमण हटाए गए हैं। जबकि अब भी 500 से अधिक कब्जे बाकी हैं। इनमें स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण शामिल हैं। फिर भी निगम प्रशासन की कार्रवाई पर विराम लग गया है। यह कार्रवाई एनजीटी के आदेश पर कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशों पर शुरू की गई थी। बता दें कि राजधानी परियोजना वनमंडल की स्थापना 1986 में भोपाल में हरियाली बढ़ाने की दृष्टि से की गई थी। इसके द्वारा सेंट्रल वर्ज एवं साइड वर्ज में विगत वर्षों में विभिन्न स्थलों पर पौधारोपण कराया गया। राजधानी परियोजना ने चार वन मंडल में कुल 692 अतिक्रमण चिह्नित किए हैं।सबसे ज्यादा अतिक्रमण अयोध्या बायपास, अरेरा कालोनी, करोंद से भानपुर चौराहा, छोला-बैरसिया रोड पर हैं। यहां पर सेंट्रल वर्ज की हरियाली गायब हो गई है और लोग अपने वाहन खड़े कर रहे हैं। साथ ही बेसहारा मवेशियों का ठिकाना बन गए हैं। वहीं फुटपाथ पर भी स्थायी अतिक्रमण पसरा हुआ है उक्त स्थानों के अलावा शाहपुरा में किचन गार्डन, ईश्वर नगर में झुग्गियों और अयोध्या बायपास में पार्किंग और दुकानों ने हरियाली को खत्म कर दिया है। जबकि यह सब नगर निगम और प्रशासन के सामने होता रहा लेकिन जिम्मेदारों ने किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की । 25 नवंबर से शुरू हुई थी कार्रवाई एनजीटी के आदेश का पालन कराने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा दिए गए निर्देश के बाद 25 नवंबर को कार्रवाई शुरू की गई थी। चार दिन चली कार्रवाई के दौरान सेंट्रल वर्ज और सड़क किनारे से लगभग 200 छोटे और अस्थायी अतिक्रमण ही हटाए गए थे। इसके बाद से कार्रवाई बंद हो गई है। जबकि एनजीटी के सामने प्रशासन को रिपोर्ट पेश करनी है और अब भी लगभग 50 साल से अतिक्रमण पसरा हुआ है। आखिरी कार्रवाई 19 दिसंबर को 11 मील बायपास एवं खजूरीकलां बायपास पर की गई थी। जहां से मात्र 17 अतिक्रमण को ग्रीन बेल्ट क्षेत्र से हटाया गया था।

मप्र में नए सिरे से निंधारित होंगी थानों की सीमाएं, ये है असली वजह

सिटी चीफ भोपाल।
प्रदेशभर में थानों और चौकियों की सीमाओं का निर्धारण नए सिरे से किया जाएगा। 31 जनवरी के पहले यह काम पूरा करने के निर्देश गृह विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी को दिए हैं। फरवरी में सीमाओं के संबंध में राजपत्र में अधिसूचना जारी करने की तैयारी है। अधिसूचना के साथ ही नई सीमाएं प्रभावी हो जाएंगी।मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने दिया था निर्देश मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सोमवार को खरगोन में संभागीय बैठक में प्रदेश के थानों की सीमाओं का पुनर्निधारण करने के निर्देश दिए थे। पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया में आम नागरिकों व जनप्रतिनि ध‍ियों के सुझाव भी आमंत्रित किए जा रहे हैं। इसके लिए हर जिले में बनी समिति द्वारा फोन नंबर भी जारी किया जा रहा है। गृह विभाग ने यह भी कहा है कि सीमा का पुनर्निधारण करते समय थानों की पारस्परिक अपराध संख्या और स्थानीय

परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाए। दरअसल, आबादी बढ़ने के साथ ही प्रदेश में नए थाने बन रहे हैं, पर सीमाओं का पुनर्निधारण नहीं होने से कई व्यवहारिक दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे भी मामले सामने आ चुके हैं कि नया जिला बनने पर पुलिस थाना दूसरे जिले में चला गया , जिससे राजस्व जिला अलग और पुलिस जिला अलग हो गया। सीमाओं के पुनर्गठन में यह भी ध्यान रखा जाएगा कि दूर गांव या कस्बे को उनके नजदीक के थाने में जोड़ा जाए, जिससे लोगों को आने-जाने में सुविधा रहे।

मध्य प्रदेश में फिर काम पर लौटे बस और ट्रक चालक, लोगों को मिली राहत

सिटी चीफ भोपाल।
हिट एंड रन कानून के विरोध में हड़ताल कर रहे बस और ट्रक चालक केंद्र के आश्वासन के बाद आज से वापस काम पर लौट आए हैं।
मध्य प्रदेश के सभी जिलों में ट्रक और बसें चलना शुरू हो गए हैं।
पिछले दो दिनों से पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ लगी हुई थी, वहीं स्कूल- कालेज वाहन, आटो रिक्शा, नगर परिवहन बसें, कैब नहीं चलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। केंद्र सरकार और अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) के बीच बात बन गई है। मंगलवार को सुलह के बाद कई राज्यों में ट्रकों और अन्य व्यावसायिक वाहनों की हड़ताल खत्म हो गई। संगठन ने ड्राइवरों से हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने की अपील की।

इंदौर और आस-पास के क्षेत्र में देर रात हुई बारिश से बढ़ी ठंडक, सुबह छाया कोहरा

सिटी चीफ भोपाल।
इंदौर और आस-पास के क्षेत्र में देर रात बारिश हुई, जिससे ठंडक बढ़ गई। वहीं सुबह कोहरा छाया रहा। जगह-जगह पानी भर जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। समूचा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। वहां से लगातार सर्द हवाओं के साथ ही कोहरा भी आ रहा है। इस वजह से प्रदेश के आधे से अधिक शहर सुबह के समय कोहरा की चपेट में आ रहे हैं। इस वजह से दृश्यता भी प्रभावित हो रही है और दिन का तापमान भी लुढ़कने लगा है। मंगलवार को ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, भोपाल संभाग के जिलों में घना कोहरा बना रहा। राजधानी भोपाल में सुबह के समय दृश्यता 10 मीटर रह गई थी।वर्षा होने की संभावना उधर, प्रदेश में सबसे कम 10 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर एवं खजुराहो में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मंगलवार को ग्वालियर में तीव्र शीतल दिन एवं खजुराहो में शीतल दिन रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बुधवार को नर्मदापुरम, जबलपुर, शहडोल, सागर, ग्वालियर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी एसएन साहू ने बताया कि प्रदेश के उत्तरी भाग में लगातार कोहरा बना हुआ है। अभी दो दिन तक भोपाल, सागर, रीवा, ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में सुबह के समय कोहरा बना रहने की संभावना है। वर्तमान में अरब सागर में एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। दो दिन में उसके गहरे कम दबाव के क्षेत्र में परिवर्तित

होने की संभावना है। उसके प्रभाव से छह जनवरी से प्रदेश में कहीं-कहीं वर्षा का सिलसिला शुरू हो सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में हरियाणा पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश से दक्षिण-पश्चिमी मध्य प्रदेश तक एक द्रोणिका बनी हुई है। हवाओं का रुख बना हुआ है। उत्तर भारत की तरफ से हवाओं के साथ कोहरा भी आ रहा है।

संपादकीय

विकसित देश बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं प्रवासी भारतीय

इन दिनों पूरी दुनिया में प्रवासी भारतीयों से संबंधित दो खास बातें रेखांकित हो रही हैं। पहला, जहां प्रवासी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहे हैं, वहीं भारत भी अपने प्रवासियों के हितों की रक्षा का प्रभावी हिमायती बना हुआ है। दूसरा, 28 दिसंबर को भारत ने कतर में जिन आठ नौसेना के पूर्व भारतीय अधिकारियों की फांसी की सजा को घटवाने में कूटनीतिक भूमिका निभाई है, उनमें एक पूर्णेंदु तिवारी भी हैं, जिन्हें 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा गया था। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी 'माइग्रेशन ऐंड डेवलपमेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बीते वर्ष प्रवासी भारतीयों ने करीब 125 अरब डॉलर की धनराशि (रेमिटेंस) स्वदेश भेजी। रेमिटेंस प्राप्त करने में भारत ने मेक्सिको, चीन और फिलिपींस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष पांच रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत के अलावा मेक्सिको (67 अरब डॉलर) चीन (50 अरब डॉलर) फिलीपींस (40 अरब डॉलर) और मिस्त्र (24 अरब डॉलर) शामिल हैं। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई है कि पहले जहां भारत से अकुशल श्रमिक कम आय वाले देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में उच्च कौशल वाले लोगों की संख्या ज्यादा है, जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं, जहां से वे अधिक धन भेज रहे हैं। गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 100 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी, वहीं 2021 में 87 अरब डॉलर की राशि भेजी थी। जब वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी, तब भी आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों द्वारा भेजी गई 83 अरब डॉलर की धनराशि से यहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। यह छोटी बात नहीं है कि प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले स्थान पर बना हुआ है। अतीत में जब भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई, प्रवासियों ने मुक्त हस्त से विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। बीते वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में भी प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका रही है। विभिन्न देशों में संकटों के बीच फंसे भारतीय प्रवासियों को बचाने और भारत वापसी के लिए महत्वपूर्ण अभियान चलाए हैं। सरकार के मुताबिक, विदेशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए सरकार की ओर से 2014 से दिसंबर, 2023 तक 626 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिससे 3.42 लाख भारतीयों की मदद की गई। वर्ष 2023 में इस्राइल और हमास के बीच जारी खूनी संघर्ष में इस्राइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। जब वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था, तब %ऑपरेशन गंगा% के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाया गया था। लेकिन अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्द कम करने में और अधिक सहयोग किए जाने की आवश्यकता है। खाड़ी देशों में भारतीय कामगार बड़ी संख्या में हैं, पर ऐसे भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो गलत लोगों या संस्थाओं के हाथ लगकर दुर्दशा के शिकार हो गए हैं। हाल ही में केंद्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 33 हजार से अधिक भारतीय कामगार खाड़ी के देशों में गुलामों की तरह रहने को मजबूर हैं। विदेश मंत्रालय को मार्च, 2021 से वर्ष 2023 के बीच अरब देशों से छह शिकायतें मिली हैं। यद्यपि भारत सरकार ने इन शिकायतों पर संबंधित देशों की सरकारों से दखल देने को कहा है, पर इस दिशा में केंद्र की और अधिक सक्रियता जरूरी है। उम्मीद करें कि नए वर्ष 2024 में प्रवासियों के साथ स्नेह व सहभागिता के नए अध्याय लिखे जा सकेंगे। साथ ही प्रवासी भारतीय अपने ज्ञान व कौशल की शक्ति से भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने, वर्ष 2027 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे।

विपक्ष की मुश्किलों का अंत नहीं, गठबंधन को सहेजने में कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका अहम

दिवाकर राही का एक शेर है- अब तो उतनी भी मयस्सर नहीं मय-खाने में/जितनी हम छोड़ दिया करते थे पैमाने में।

स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा, जब 2024 में 18वीं लोकसभा के लिए 'ग्रांड ओल्ड कांग्रेस' पार्टी 272 से कम लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। ऐसे में, अगर सैद्धांतिक तौर पर एकबारगी यह मान भी लिया जाए कि अप्रैल-मई, 2024 में कांग्रेस जिन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, उन सभी पर अगर उसे जीत हासिल हो, तब भी वह अपने दम पर केंद्र में सरकार नहीं बना सकती। पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 499 में से 489 सीटों पर चुनाव लड़ा और 364 सीटें जीतीं। वर्ष 1957 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 494 सीटों पर चुनाव लड़ा और 371 सीटें जीतीं। इसी तरह, वर्ष 1962 में 494 में से 361 और 1967 में पहली बार अनुभवहीन इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पार्टी 523 लोकसभा सीटों में से 283 पर जीत हासिल कर सत्ता बरकरार रखने में कामयाब रही। वर्ष 1971 में 'गरीबी हटाओ' के नारे के साथ इंदिरा गांधी ने 518 सीटों में से 352 सीटें जीतकर जबर्दस्त वापसी की। वर्ष 1975 के आपातकाल के बाद मतदाताओं ने इंदिरा को सत्ता से बाहर का रास्ता जरूर दिखाया, पर कांग्रेस 154 सीटें जीतने में कामयाब रही। वर्ष 1980 में इंदिरा गांधी ने एक बार फिर विपक्ष को पटखनी देते हुए 353 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी ने दिसंबर, 1984 में 404 सीटें जीतकर कांग्रेस को बंपर जीत दिलाई। पंजाब में कांग्रेस की जीत से यह आंकड़ा 413 सीटों पर पहुंच गया, जहां चुनाव कुछ महीने बाद हुए थे। मगर 1989 में राजीव गांधी को शिकस्त झेलनी पड़ी, लेकिन 197 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वीपी सिंह और चंद्रशेखर सरकार के पतन के बाद कांग्रेस की फिर वापसी हुई। दरअसल, 1991 चुनाव के दौरान राजीव गांधी की दुखद हत्या के बाद कांग्रेस ने 244 सीटें जीतीं और छोटी पार्टियों के बाहरी समर्थन से पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में सरकार बनाई। वर्ष 1996 में राव के नेतृत्व में कांग्रेस केवल 140 सीटें जीतकर सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस ने अल्पकालीन एचडी देवे गौड़ा और आईके गुजराल सरकारों को बाहर से समर्थन दिया। वर्ष 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने एनडीए की सरकार बनाई। तब भी कांग्रेस के पास 141 सीटें और भाजपा को 182 सीटें मिली थीं। वर्ष 1999 के मध्यावधि चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन की सत्ता में वापसी हुई, जबकि कांग्रेस 114 सीटों पर सिमट गई, जो 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। हालांकि 2004 में कांग्रेस ने अपनी स्थिति सुधारते हुए 145 सीटें जीतीं और एक ऐसा गठबंधन बनाया, जो न केवल 2004 में, बल्कि 2009 में भी सरकार बनाने में कामयाब रहा, जब कांग्रेस को 206 सीटों पर जीत मिली थी। लोकसभा चुनाव में यह शायद आखिरी बार था, जब कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के उदय ने कांग्रेस को बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया, जिसे 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में दस फीसदी सीटें तक नहीं मिल सकीं। वर्ष 2014 में महज 44 सीटों पर सिमटना कांग्रेस के लिए शर्मनाक था। वहीं, 2019 में भी यह केवल 52 सीटें ही जीत पाई, जिसमें ज्यादातर सीटें केरल, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक से थीं। मल्लिकार्जुन खरगे और तीनों गांधी (सोनिया, राहुल और प्रियंका) के संयुक्त नेतृत्व में, चुनावों में मिली लगातार हार और कमजोर आत्मविश्वास के चलते धूमिल संभावनाओं और अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट से जूझती कांग्रेस आप, तृणमूल कांग्रेस, जदयू, राकांपा (शरद पवार), द्रमुक, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और 22 अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर भाजपा को हराने की जुगत कर रही है। पार्टी की पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय टीम ने गठबंधन सहयोगियों से वार्ता के लिए पार्टी की रणनीति निर्धारित करने हेतु वासनिक के आवास पर बैठक की। पैनल के दो सदस्यों के अनुसार, उन्हें यह देखकर निराशा हुई कि कांग्रेस इस स्थिति में नहीं है कि वह गठबंधन के सहयोगियों से तीन सौ सीटें मांग सके। पैनल ने 292 लोकसभा सीटों को शॉर्टलिस्ट किया है, पर बारीकी से जांच करने पर ये 240 से भी कम निकली हैं। विभिन्न राज्यों की कई सीटें ऐसी हैं, जहां पार्टी के लिए गठबंधन सहयोगी के तौर पर चुनाव लड़ने का कोई आधार नहीं है। यही नहीं, उनका विश्लेषण बताता है कि राहुल गांधी की आगामी भारत न्याय यात्रा में जिन राज्यों से गुजरेगी, उन राज्यों की 345 संसदीय सीटों में से केवल 15 सीटों पर ही कांग्रेसी सांसद हैं। व्यावहारिक तौर पर देखें, तो पता चलता है समान विचारधारा वाले दलों से गठबंधन करने पर भी कांग्रेस के लिए 50 लोकसभा सीटों का आंकड़ा पार करना कठिन होगा। कांग्रेस में ऐसे कई लोग हैं, जो राहुल की दूसरे चरण की यात्रा को निरर्थक, गलत और पहले से ही संसाधनों की कमी से जूझती पार्टी के लिए नुकसानदायक मानते हैं। टीम खरगे समेत कोई भी इस स्थिति में नहीं है, जो राहुल को ईमानदार राय दे सके। हालांकि अपनी ओर से खरगे ने सीट बंटवारे की संभावनाओं पर चर्चा के लिए राज्यों के नेताओं को बुलाया है। इसमें संदेह नहीं कि जरूरत और मजबूरी का सिद्धांत कांग्रेस को सीट बंटवारे की ओर ले जा रहा है, क्योंकि वह अपने बल पर चुनाव लड़ने की स्थिति में नहीं है। हालांकि खरगे को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पंजाब, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र में कम सीटों के कड़वे फॉर्मूले को स्वीकारने के लिए गांधी परिवार से काफी अनुनय और समर्थन की आवश्यकता होगी। सहयोगी दल खुद को कमतर नहीं मानते और कोई रियायत देने को तैयार नहीं हैं। वास्तविकता से बेखबर कांग्रेसी नेताओं की समस्या यह है कि वे अतीत और पुरानी यादों में जीते हैं कि हमारे बाप-दादा ने घी खाया था, हमारी हथेली सूंघ लो। ऐसे में कांग्रेसी नेताओं को झटका लगना तय है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो नाजुक इंडिया गठबंधन का अराजक होना तय है।

इस दिन है पौष माह की कालाष्टमी, जानें पूजा का महत्व और विधि

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक माह में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी व्रत रखा जाता है। इस बार पौष माह की कालाष्टमी का व्रत 04 जनवरी को रखा जा रहा है। कालाष्टमी के दिन काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा काल भैरव की पूजा का विधान है। बाबा काल भैरव शिव जी के रौद्र माने जाते हैं। इस दिन व्रत रखकर विधि पूर्वक पूजा करने से जीवन से दुख, दरिद्रता और परेशानियां दूर हो जाती हैं। कालाष्टमी व्रत के दिन शिवालयों और मठों में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है, जिसमें भगवान शिव के रूप में काल भैरव का आह्वान किया जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं पौष माह की कालाष्टमी की पूजा विधि और शुभ मुहूर्त के बारे में... **पौष मास की कालाष्टमी तिथि और मुहूर्त** पौष मास की कालाष्टमी तिथि की शुरुआत 03 जनवरी 2024 को शाम 07 बजकर 48 मिनट पर हो रही है। इसका समापन 04 जनवरी 2024 की रात 10 बजकर 04 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल पौष मास की कालाष्टमी का व्रत 04 जनवरी 2024 दिन गुरुवार को रखा जाएगा।

साल 2024 में लगेंगे कुल 4 ग्रहण जानिए तारीख और टाइमिंग

नई दिल्ली। ज्योतिष शास्त्र में ग्रहण (सूर्य और चंद्र) को खास महत्व दिया गया है। 2024 में कुल 4 ग्रहण लगने जा रहे हैं, जिसमें से दो सूर्य जबकि दो चंद्र ग्रहण होंगे। इस साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च को है जबकि, दूसरा 18 सितंबर को लगेगा। वहीं 2024 का पहला सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल को लगने जा रहा है। इसके अलावा दूसरा सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर को लगेगा। इस साल का पहला सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल, सोमवार को लगेगा, जो कि पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा। यह सूर्य ग्रहण दोपहर 3 बजकर 42 मिनट से शुरू होकर शाम 4 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। सूर्य ग्रहण का सूतक काल 12 घंटा पहले शुरू हो जाता है। ऐसे में जिन महिलाओं के गर्भ में शिशु पल रहा हो, उन्हें सूतक काल के दौरान सावधान रहना चाहिए। इस साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर, बुधवार को लगेगा। यह सूर्य ग्रहण वलय आकार यानी कंगन के आकार का होगा। इस सूर्य ग्रहण की शुरुआत दोपहर 3 बजकर 42 मिनट से होगी। जबकि इसकी समाप्ति 4 बजकर 36 मिनट पर होगी। बता दें कि 2024 में लगने वाले ये दोनों ही सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देंगे। ऐसे में सूर्य ग्रहण का सूतक भी नहीं माना जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, 2024 यानी इस साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण उपछाया युक्त होगा। इस चंद्र ग्रहण की शुरुआत सुबह 4 बजकर 53 मिनट पर होगी। जबकि समाप्ति सुबह 9 बजकर 32 मिनट के बाद होगी। इस चंद्र ग्रहण को भी भारत में नहीं देखा जा सकेगा। ऐसे में इसके सूतक लेकर भी चिंतित होने की जरूरत नहीं है। हालांकि गर्भवती महिलाएं सतर्क रहेंगी तो अच्छा रहेगा। इस साल का दूसरा चंद्र ग्रहण 18 सितंबर को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण आंशिक होगा। 2024 के दूसरे चंद्र ग्रहण की शुरुआत शाम 3 बजकर 38 मिनट पर होगी। जबकि इसकी समाप्ति रात 9 बजकर 27 मिनट पर होगी। ज्योतिषीय गणना के मुताबिक, दोनों ही चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देंगे। ऐसे में इनका सूतक भी मान्य नहीं होगा। ग्रहण के दौरान प्रेगनेंट महिलाओं को खास सतर्क रहना चाहिए। चंद्र ग्रहण का सूतक काल 9 घंटा पहले शुरू हो जाता है।

बुधवार को जाप करें गणेशजी के ये मंत्र, खुल जाएंगे सौभाग्य के रास्ते

बुधवार का दिन गणेश जी की पूजा-उपासना के लिए समर्पित होता है। इस दिन किए गए पूजा-पाठ और व्रत से वे शीघ्र प्रसन्न होकर अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। भगवान गणेश सभी देवों में सबसे पहले पूजे जाते हैं, इसलिए उन्हें प्रथम पूजनीय भी कहा जाता है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भी सर्वप्रथम भगवान गणेश की पूजा करने का विधान है। ये विघ्न विनाशक हैं अर्थात इनकी पूजा से न सिर्फ बिगड़े कार्य बनते हैं बल्कि कुंडली में स्थित दोष भी दूर होते हैं। इस दिन भगवान गणेश की विधि विधान के साथ पूजा करने के साथ ही इन मंत्रों का जाप करने से आपको विशेष फल प्राप्त होता है और जीवन में आ रही सभी बाधाएं दूर होती हैं और आपकी आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

1-' गं गणपतये नमः '

'गजानंद एकाक्षर मंत्र भगवान गणेश के सबसे सरल और प्रभावी मंत्रों में एक है। इस मंत्र के उचारण मात्र से ही भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। बुधवार के दिन पूजा के दौरान आप इस मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें। इससे आपके हर कार्य में सफलता मिलेगी।कहा जाता है कि यह मंत्र जीवन की सभी बाधाओं को दूर करता है और भक्तों को सफलता और समृद्धि का आशीर्वाद देता है। जीवनसाथी के साथ संबंध सुधारने में भी यह मंत्र मददगार हो सकता है। ऐसा माना जाता है कि यह मंत्र पति-पत्नी के बीच प्यार और स्नेह बढ़ाने में मदद कर सकता है।यह मंत्र विद्यार्थियों के लिए भी बहुत लाभदायक है।

2- वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभः।
निर्विघ्नं कुरू मे देव, सर्व कार्येषु सर्वदा।।

गणेश जी का ये मंत्र सबसे अधिक लोकप्रिय है। इस मंत्र का जाप करना बहुत लाभकारी होता है, क्योंकि विघ्नों को दूर करने के लिए यह सबसे प्रभावी मंत्र है। ऐसी स्थितियां जो कुछ समय के लिए हमारे जीवन में बाधाएं खड़ी करती हैं, उन्हें दूर करने के लिए इस मंत्र का नियमित जाप किया जाता है। इस मंत्र का जाप करने से सभी प्रकार के रास्ते और अवसर खुल जाते हैं, जीवन में सुख-समृद्धि आती है और आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

3- एकदन्ताय विहे वक्रतुण्डाय धीमहि तन्नो दन्तिः प्रचोदयात।

श्री गणेश गायत्री मंत्र को बहुत फलदायी माना गया है। बुधवार की पूजा में इस मंत्र का 108 बार जाप करने से व्यक्ति का भाग्य चमकता है और सभी कार्य अनुकूल सिद्ध होते हैं। भक्त के सभी प्रकार के भय और तनाव दूर होते हैं। इस मंत्र के नियमित जप से भौतिक समृद्धि तो मिलती ही है साथ ही भगवान गणेश की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है।

अगर बहुत कोशिश करने के बाद भी नौकरी नहीं मिल रही है तो आपको रोजाना इस मंत्र का 108 बार जप करने से लाभ होगा है। इस उपाय को करने से व्यक्ति की नौकरी की समस्या तुरंत हल हो जाती है।

आर्यन की वेब सीरीज पिता शाहरुख खान की जिंदगी पर है आधारित

फैंस हुए एक्साइटेड

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को पर्दे पर पहली बार देखने के लिए फैंस सुपर एक्साइटेड हैं। हालांकि बॉलीवुड के बादशाह का बेटा अपनी शुरुआत बतौर स्क्रिप्ट राइटर और डायरेक्टर करने जा रहा है। फैंस यह जानने को बेताब हैं कि आखिर आर्यन अपने डायरेक्शन के पिटारे में फैंस के लिए क्या लेकर आ रहे हैं। सीरीज आने में अभी वक्त है, लेकिन इसी बीच इसे लेकर कई बहुत एक्साइटिंग खबरें सामने आने लगी हैं।

शाहरुख की जिंदगी पर आधारित सीरीज? बॉलीवुड लाइफ ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि सीरीज की कहानी दिल्ली के एक लड़के के बारे में होगी जो फिल्म इंडस्ट्री में बहुत नाम कमाता है। आर्यन खान की वेब सीरीज 'स्टारडम' में सुपरस्टार बनने के दौरान उस लड़के की जिंदगी में आए उतार चढ़ावों को दिखाया जाएगा और आप जब इस बारे में सोच रहे हैं तब ऑलरेडी आपके दिमाग में दिल्ली के उस लड़के के तौर पर शाहरुख खान की छवि आ चुकी होगी।

बायोपिक नहीं लेकिन फिर भी होंगे कई सीन

आर्यन खान अपनी सीरीज के जरिए असल में अपने पिता की कहानी को ही मूर्त रूप देने वाले हैं। आखिर शाहरुख खान की जिंदगी से जुड़े सीक्रेट बताने के लिए उनके बेटे से बेहतर हो भी कौन सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि यह दावे से नहीं कहा जा सकता है कि पूरी वेब सीरीज की कहानी पूरी तरह से शाहरुख खान की जिंदगी पर आधारित होगी। क्योंकि यह कोई बायोपिक नहीं है। लेकिन आप कुछ सीन जरूर शाहरुख की जिंदगी से मान सकते हैं।

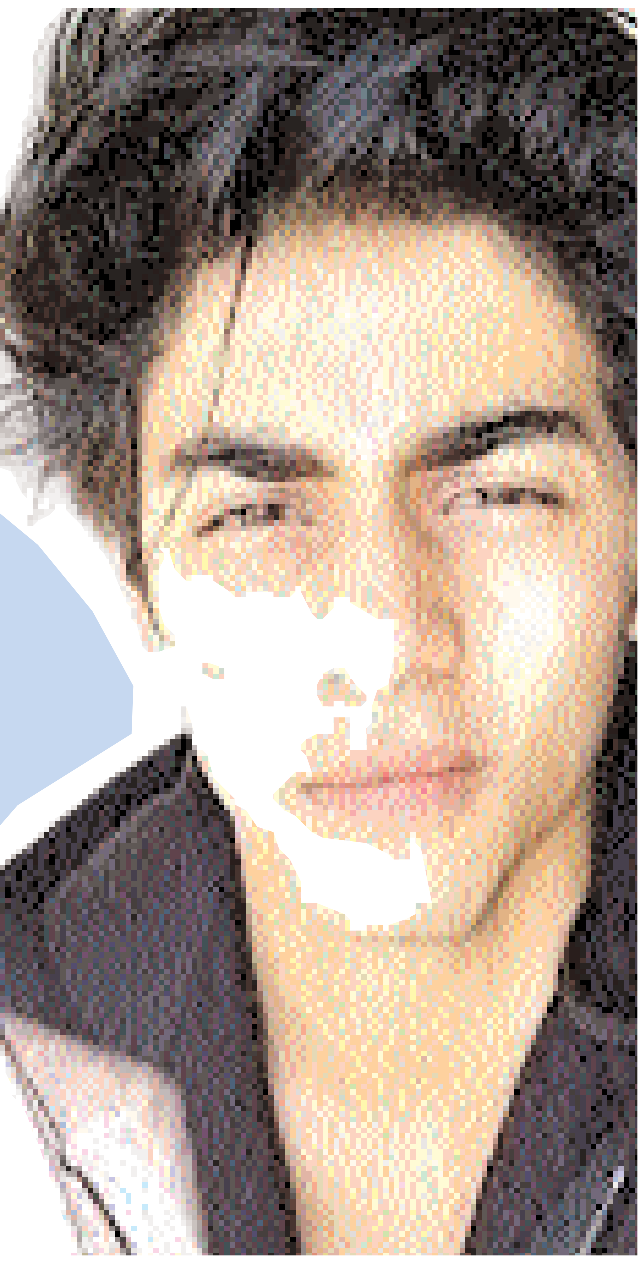

फिल्मों के रिव्यू पर करण जौहर का बड़ा खुलासा

बोले- पैसे देकर खराब फिल्मों की करवाते हैं तारीफ

बॉलीवुड के मेकर्स के बारे में कई बार यह बात कही जाती है कि अपनी फिल्मों को अच्छे रिव्यूज और तारीफ करने के लिए लोगों को पैसे देते हैं। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर उनके जरिए दर्शकों को प्रभावित करने की कोशिश होती है। आमतौर पर मेकर्स इस पर चुप्पी ही साधे रखते हैं या फिर इनकार करते हैं। करण जौहर ने लेटेस्ट इंटरव्यू में माना किया उन्होंने अपनी औसत दर्जे की फिल्म के लिए पैसे दिए हैं। उन्हें लगता है इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

वायरल होने के लिए देते हैं रिएक्शन

गलाटा प्लस मेगा पैन इंडिया राउंडटेबल 2023 के दौरान करण जौहर ने कहा, 'अगर आप नोटिस करें जो लोग सिनेमाघरों के बाहर दर्शकों से बात करते हैं, वे सभी सनसनीखेज बात करना चाहते हैं। असली दर्शक निकलकर दूर चला गया है लेकिन कुछ लोग इसलिए रिएक्शन दे रहे हैं क्योंकि वो वायरल होना चाहते हैं। अब वायरल होने के लिए वो हमसे बकवास कर रहे हैं।'

पीआर के जरिए फिल्म को दिखाते हैं अच्छा

करण ने आगे कहा, 'कभी-कभी हम भी पीआर के तौर पर अपने लोगों को फिल्म की तारीफ करने के लिए भेजते हैं।' उन्होंने कहा, 'कभी कभी आप भी स्ट्रगल कर रहे होते हैं। एक निर्माता के रूप में आप अपनी फिल्म के बारे में बताने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। हालांकि मैं क्रिटिक्स की आलोचना कर सकता हूं लेकिन जब वो तारीफ करते हैं तो मैं उनके साथ होता हूं। मैं हर फिल्म के साथ बदलता हूं। कुछ फिल्में अपने आप चलती हैं और कुछ धीमी रहती हैं। कुछ फिल्में औसत होती हैं इसलिए हमें दिखाना होगा कि वो अच्छा कर रही हैं।'

कब ज्यादा प्रचार की नहीं होती जरूरत?

करण ने कहा कहा कि जब कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है तो आराम से बैठ सकते हैं और इंटरव्यू को ठुकरा सकते हैं। उन्हें किसी की प्रचार की जरूरत नहीं है लेकिन अगर कोई फिल्म औसत है तो उसके लिए संघर्ष करना होगा और पूरी कोशिश करनी होगी।

यशपाल शर्मा की मौजूदगी से बढ़ी चमक

भोजपुरी ने अब चुराया सलमान खान की इस फिल्म का आइडिया

अभिनेता सलमान खान की फिल्म चोरी चोरी चुपके चुपके साल 2001 में रिलीज हुई, जिसमें सलमान खान के साथ रानी मुखर्जी और प्रीति जिंटा की मुख्य भूमिका रही। इस फिल्म का मूल विषय सरोगेसी पर आधारित था। भोजपुरी फिल्म कोख का ट्रेलर देखकर यही लगता है कि इस फिल्म की मूल कहानी भी बिल्कुल सलमान खान की फिल्म चोरी चोरी चुपके चुपके से मिलती जुलती हैं। भोजपुरी फिल्म कोख का ट्रेलर फिल्म के मेकर ने सोमवार की शाम को वेब म्यूजिक के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया, जिसमें अभिनेता यशपाल शर्मा का बहुत ही रौबदार अंदाज देखने को मिला। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत फिल्म के नायक के एक्शन की एंट्री से होती है। जब वह घर पहुचंता है, उनकी मां कहती है, ए बबुआ इ घर के खातिर एक बहु ला द। नायक कहता है, अइसन लड़की कहां मिली जे हमरा के पसंद आ जाए। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि नायक जिस लड़की को शादी के लिए पसंद करता है,उस लड़की का परिवार नायक के पिता को पसंद नहीं। उसके पिता कहते हैं, बिआह कईले के खातिर तैयार भईल बाटे त कवने लड़की के साथ, आपन खानदान देखा और उनकर खानदान देखा। नायक और नायिका की शादी हो जाती है, लेकिन उसे बचा पैदा नहीं होता है। नायक डॉक्टर की सलाह पर सरोगेसी के जरिए अपनी पत्नी को मां बनने का सुख देना चाहता है। उसके पिता कहते हैं, इ हम का सुनत बाटी, तू लोग केहू और के कोख से बचा पैदा करावल चाहत बाटा, इ खानदान क नाम मिट्टी में मिलावल चाहत बाटा। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि नायक चंदा नाम की लड़की को सरोगेसी के लिए तैयार करता है। नायिका को लगता है कि उसका पति चंदा का कुछ यादा ही ख्याल रख रहा है। वह अपने पति से कहती है, चंदा बचा पैदा करेवाला मशीन बा, प्यार करेवाला नाही है। नायक कहता, चंदा एकदम पाक साफ लड़की बा। नायिका चंदा से कहती हैं, हमारा मजबूरी बा कि अपने पति क सौदा करत बाटी। चंदा कहती है, अउर हम अपन कोख क। फिल्म के ट्रेलर के अंतिम में दिखया गया है कि चंदा को बचा होता है और वह चुपके से अपने बचे को लेकर निकल जाती है। इसके बाद क्या होगा, वह तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन इस फिल्म को देखने के बाद सलमान खान की फिल्म चोरी चोरी चुपके चुपके की याद आ जाती है। फिल्म के ट्रेलर में पिता की भूमिका में यशपाल शर्मा का दमदार किरदार नजर आता है, जब भी स्क्रीन पर वह नजर आते है वह पूरी तरह से उनका ही सीन दिखता है।

फिल्म में नायक की भूमिका निभा रहे अभिनेता प्रदीप पांडे चिंटू कहते हैं, यशपाल शर्मा जैसे दिग्गज अभिनेता के साथ काम करके एक कलकार के तौर पर बहुत कुछ सीखने को मिला। यह फिल्म एक सामजिक संदेश देती है, जिन औरतों को बचे नहीं होते हैं, समाज के लोग उन्हें बांझ कहते हैं,लेकिन अब इतनी सारी तकनीक और सुविधाएं आ गई है कि अब कोई भी औरत मां बनने से वंचित नहीं रह सकती है। इस फिल्म के माध्यम से हमने यही छोटा सा संदेश देने की कोशिश की है।

फाइटर की रिलीज से पहले सिद्धार्थ को सता रहा पठान वाला डर

पोस्ट में लिखा हो रही घबराहट और चिंता

नए साल की शुरुआत हो चुकी है। इस साल बॉलीवुड की एक से बढ़कर एक फिल्म धमाल मचाने के तैयार हैं। इस लिस्ट में पहला नाम सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर का है, जो 25 जनवरी को रिलीज होगी। ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर स्टारर इस फिल्म को लेकर दर्शकों में भी जबरदस्त उत्साह है, लेकिन फिल्म के डायरेक्टर सिद्धार्थ इस फिल्म की रिलीज से पहले थोड़े घबराए हुए हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि दर्शक फाइटर को भी पठान की तरह ही खूब सारा प्यार देंगे। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक लंबा पोस्ट लिखकर फैंस से ये बात कही है।

पठान को लेकर मचा था बवाल दरअसल, साल 2023 में भी गणतंत्र दिवस के मौके पर शाहरुख खान स्टारर सिद्धार्थ की फिल्म पठान रिलीज हुई थी। इसी फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया। शाहरुख खान के जबरदस्त कमबैक के साथ यह 2023 की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही, लेकिन फिल्म की रिलीज से पहले यह विवादों में भी खूब रही। फिल्म के बेशरम गाने में भगवा बिकिनी के लेकर जमकर हंगामा मचा। वहीं, बायकॉट बॉलीवुड के ट्रेंड ने भी खूब जोर पकड़। जबरदस्त विरोध के बीच पठान सिनेमाघरों में आई और दर्शकों ने इसे खूब पसंद किया। सिद्धार्थ ने एक्स पर लिखा हो रही है घबराहट अपने एक्स अकाउंट पर सिद्धार्थ ने लिखा, जैसा की नया साल शुरू हो गया, लेकिन जब एक पल रुककर पीछे देखता हूं, तो एहसास होता है कि साल 2023 ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। इसकी शुरुआत घबराहट और एक चिंता के साथ हुई थी। मेरी फिल्म पठान भारी विरोध के बीच रिलीज हो रही थी। बायकॉट बॉलीवुड नाम अजीब ट्रेंड जोरों पर था। इसके बाद 25 जनवरी का वो दिन आया, जिस दिन पठान रिलीज हुई।

पहले ही शो के बाद पठान को लोगों ने कहा ब्लॉकबस्टर

सिद्धार्थ ने आगे कहा, सुबह 3:30 बजे तक फिल्म के कलाकारों और क्रू के साथ स्क्रीनिंग के बाद मैं सोने गया और बिस्तर पर जाने के बाद हैरान होकर सुबह 7 बजे उठ गया। फिल्म का पहला शो अभी शुरू ही हुआ था और ममता और मैंने अपने दोस्त जायु के घर जाने का फैसला किया, जहां हमनें फिल्म के रिव्यूज के आने का इंतजार किया। हम जायु के घर की छत पर बैठे थे और फिल्म के रिव्यूज आने शुरू हो गएं। सबने इस फिल्म को ब्लॉकबस्टर घोषित कर दिया। मैं वहां अब और नहीं बैठ सकता था, मैंने एक थिएटर में जाकर दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने का फैसला किया।

2023 में ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर बनी पठान

सिद्धार्थ ने आगे लिखा, मैं हॉल में शुरुआती 30 मिनट रूका। मैं दर्शकों की नब्ज समझ सकता था, यह कुछ और ही था। इसके बाद सिनेमाघरों में फिल्म का गाना झूमे जो पठान पर नाचते हुए लोगों के वीडियो सामने आने लगे। इतिहास रचा जा चुका था। पठान 2023 में ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर बन गई।

फाइटर को मिलेगा पठान जैसा प्यार

पठान डायरेक्टर ने आगे लिखा कि, 2023 में इसके साथ कुछ और भी हुआ मैंने और ममता ने फाइटर के साथ अपनी फिल्म कंपनी मार्फ़्लिक्स की शुरुआत की। फाइटर हमारे लिए एक फिल्म से कहीं बढ़कर है, जो कई मायनों में महत्वाकांक्षी है। हमने इसे अपना सब कुछ दे दिया है। 2024 की शुरुआत के साथ फिर से उसी घबराहट और चिंता का एहसास हो रहा है, जो 2023 में हुआ था। उम्मीद है कि लोग फाइटर को वही प्यार देंगे, जो पठान को दिया था।

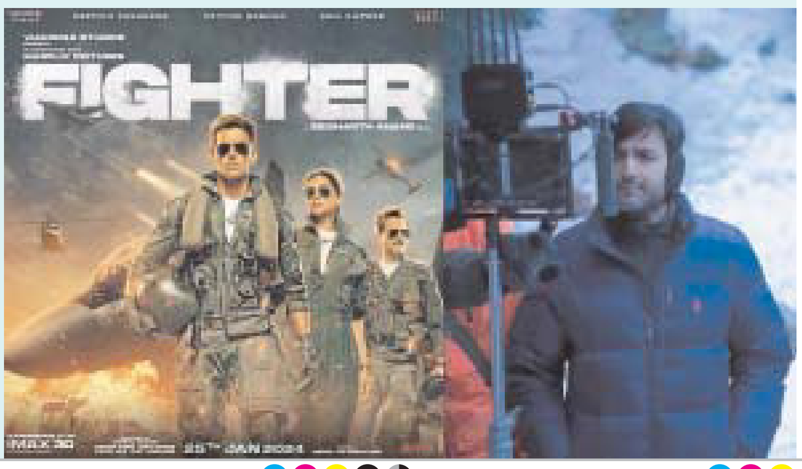

मेरी क्रिसमस का इन पांच फिल्मों से मुकाबला, मैं अटल हूं और फाइटर के लिए पूरा मैदान

फिल्म मेरी क्रिसमस के मेकर अपनी फिल्म की रिलीज डेट लगातार इसलिए टालते रहे ताकि उनकी फिल्म का किसी बड़ी फिल्म से मुकबला न हो। लेकिन, अब जब इसकी निर्माता कंपनी टिप्स ने अपनी फिल्म की रिलीज डेट 12 जनवरी को रखी तो इस फिल्म के मुकाबले में पांच फिल्में फिर से आ गई हैं। वहीं, पंकज त्रिपाठी की फिल्म मैं अटल हूं और ऋतिक रोशन की फिल्म फाइटर के सामने मैदान पूरी तरह से खाली है। माना जा रहा है कि पठान की तरह फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद एक बार फिर अपनी सफलता को दोहरा सकते हैं। आइए नजर डालते हैं, इस महीने रिलीज होने वाली प्रमुख फिल्मों पर...

बदलापुर और अंधाधुन जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म मेरी क्रिसमस साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में कैटरीना कैफ और साउथ के विजय सेतुपति की मुख्य भूमिका है। फिल्म की शूटिंग तमिल और हिंदी में एक साथ हुई है। फिल्म में कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की मुख्य भूमिकाएं हैं। फिल्म के हिंदी संस्करण में इनके अलावा संजय कपूर, विनय पाठक, प्रतिमा काजमी की मुख्य भूमिकाएं हैं। इस फिल्म में राधिका आप्टे का कैमियो है। फिल्म के तमिल संस्करण में सहायक कलाकार दूसरे लिए गए हैं। यह फिल्म 12 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। अभिनेता महेश बाबू गुंटूर कारम में फिल्म निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ तीसरी बार काम कर रहे हैं। इससे पहले वह निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के निर्देशन में अथाडू,और खलेजा में काम कर चुके हैं। फिल्म गुंटूर कारम तेलुगू भाषा में बनी एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में महेश बाबू के अलावा श्रीलीला, मीनाक्षी चौधरी, जगपति बाबू, जयराम, प्रकाश राज, राम्या कृष्णन की मुख्य भूमिकाएं हैं। यह फिल्म 12 जनवरी 2024 को संक्रांति पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

. साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या के निर्देशन में बनी तमिल फिल्म लाल सलाम साल 1993 के मुंबई के हुए सांप्रदायिक दंगों के बीच एक घटना पर आधारित है। इस फिल्म में रजनीकांत मोइदीन भाई की कैमियो की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं फिल्म में क्रिकेटर कपिल देव खुद का भी कैमियो है। फिल्म में विष्णु विशाल, विक्रांत, विग्नेश , लिविंगस्टन , सेंथिल , जीविता , केएस रविकुमार और थम्बी रमैया की मुख्य भूमिकाएं हैं। यह फिल्म 12 जनवरी 2024 को रिलीज हो रही है। अभिनेता सलमान खान ने अपने बहनोल आयुष शर्मा का करियर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने प्रोडक्शन के बैनर टेल बनी फिल्म लवयात्री के जरिए आयुष शर्मा को लांच किया।

सिंगल कॉलम

सीआईएसएफ स्टेनो एचसीएम का परिणाम जारी

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने 30 और 31 अक्तूबर, 2023 को आयोजित सीआईएसएफ एचसीएम लिखित परीक्षा 2022 का परिणाम जारी कर दिया है। जो भी उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे, वे आधिकारिक वेबसाइट cisfrectt.cisf.gov.in पर जाकर रिजल्ट चेक कर सकते हैं और डाउनलोड कर सकते हैं। सीआईएसएफ हेड कांस्टेबल (न्यूनतम) परिणाम 2023 तक पहुंचने के लिए आपको लॉगिन क्रेडेंशियल, यानी पंजीकरण संख्या, पासवर्ड और कैप्चा दर्ज करना होगा। एएसआई स्टेनो और एचसी (मिन) 2022 के लिए सीआईएसएफ कौशल परीक्षा अस्थायी रूप से 10 जनवरी, 2024 को निर्धारित है। उम्मीदवार रिजल्ट डाउनलोड कर अपनी चयन स्थिति देख सकते हैं। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने 562 रिक्तियों के लिए CISF HCM परिणाम जारी किया है। अंतिम चयन लिखित परीक्षा में उम्मीदवारों के प्रदर्शन के आधार पर होगा जो शारीरिक मानक परीक्षण, दस्तावेजीकरण, कौशल परीक्षण, चिकित्सा परीक्षा और अधिसूचना में निर्धारित अन्य शर्तों में उनकी योग्यता स्थिति के अधीन होगा। सीआईएसएफ एचसीएम कट ऑफ अंकों से अधिक या उसके बराबर अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को कौशल परीक्षण और मेडिकल परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। एएसआई स्टेनो और एचसी (मिन) 2022 के लिए सीआईएसएफ कौशल परीक्षा अस्थायी रूप से 10 जनवरी, 2024 को निर्धारित है।

वित्त मंत्री को जीआईसी सीएमडी ने 1083.60 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनी जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी रे) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 1083.60 करोड़ रुपये का लाभांश चेक सौंपा। वित्त मंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक्स पूर्व में (ट्विटर) पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) रामास्वामी नारायणन से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 1083.60 करोड़ रुपये का लाभांश चेक प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को संक्षिप्त रूप में जीआईसी रे कहा जाता है। ये भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की पुनर्बीमा कंपनी है, जिसका पंजीकृत कार्यालय और मुख्यालय मुंबई में है। इसे 22 नवंबर, 1972 को कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत शामिल किया गया था।

दिसंबर में कोयला उत्पादन 10.75 फीसदी बढ़कर 92.87 मिलियन टन पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश का कोयला उत्पादन पिछले साल दिसंबर में 10.75 फीसदी बढ़कर 92.87 मिलियन टन (एमटी) पर पहुंच गया है। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष 2023-24 में दिसंबर तक संचयी कोयला उत्पादन 12.47 फीसदी बढ़कर 684.31 मीट्रिक टन हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि के दौरान यह 608.34 मिलियन टन रहा था। कोयाला मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि देश का कोयला उत्पादन दिसंबर, 2023 में सालाना आधार पर 10.75 फीसदी बढ़कर 92.87 मिलियन टन (एमटी) रहा है। इससे पिछले वर्ष के समान अवधि में कोयाला का उत्पादन 83.86 मिलियन टन रहा था। मंत्रालय के मुताबिक कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन दिसंबर में 8.27 फीसदी की वृद्धि के साथ 71.86 मिलियन टन हो गया है, जबकि दिसंबर, 2022 में यह 66.37 मिलियन टन रहा था। मंत्रालय के मुताबिक दिसंबर में कोयले का डिस्पैच (प्रेषण) 8.36 फीसदी की वृद्धि के साथ 86.23 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो दिसंबर 2022 में 79.58 मिलियन टन था। इसी तरह कोल इंडिया लिमिटेड का प्रेषण दिसंबर 2023 में 66.10 मिलियन टन रहा, जबकि दिसंबर 2022 में 62.66 मिलियन टन था, जो 5.49 फीसदी की वृद्धि है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 में संचयी कोयला प्रेषण (दिसंबर 2023 तक) 11.36 फीसदी की वृद्धि के साथ 709.80 मिलियन टन हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि के दौरान यह 637.40 मिलियन टन था।

कोलकाता : प्राथमिक विद्यालय नौकरी घोटाले में सीबीआई ने हाईकोर्ट में दायर की रिपोर्ट

पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ प्राइमरी एजुकेशन की भर्ती में कथित अनियमितताओं पर कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष सीलबंद कवर में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए, सीबीआई के वकील ने कहा कि इसमें शामिल चरणों से पता चलता है कि कैसे भ्रष्टाचार को कला के रूप में बदल दिया गया था। ईडी के वकील धीरज त्रिवेदी ने प्रस्तुत किया कि केंद्रीय एजेंसी ने एक निजी कंपनी लीप्स एंड बाउंड्स की 7.5 करोड़ रुपये मूल्य की आठ संपत्तियों को जब्त कर लिया है, यह आशंका है कि ये अपराध की आय है। ईडी ने पहले कहा था कि तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी लीप्स एंड बाउंड्स के सीईओ हैं और सीमित अवधि के लिए इसके निदेशकों में से एक भी रहे हैं। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने ईडी के संयुक्त निदेशक और यहां एक ईएसआई अस्पताल द्वारा गठित मेडिकल टीम के वरिष्ठ डॉक्टरों में से एक को अदालत के समक्ष उपस्थित होने के लिए एक आरोपी की आवाज का नमूना परीक्षण करने के एजेंसी के अनुरोध पर रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लेते हुए कहा। ईडी आरोपी सुजॉय कृष्ण भद्र की आवाज के नमूने की जांच की मांग कर रही है, जो वर्तमान में सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती हैं। जज ने कहा कि वह डॉक्टर से जानना चाहेंगी कि वॉयस सैंपल टेस्ट की प्रक्रिया कैसे होती है और इसमें कितना समय लगेगा। सीबीआई की रिपोर्ट पेश करते हुए उसके वकील बिल्वदल भट्टाचार्य ने कहा कि रिपोर्ट को पढ़ने से ऐसा लगता है कि भर्ती की पूरी प्रक्रिया के गले में भ्रष्टाचार फांस की तरह लटका हुआ है। प्राथमिक बोर्ड के तहत राज्य के विभिन्न स्कूलों में 42,949 घोषित रिक्तियों में भर्ती की प्रक्रिया के लिए 2014 शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित की गई थी।

खेल/प्राणायाम/अरोग्य

रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट पर बयान, कहा-

मैं नहीं जानता कि दक्षिण अफ्रीका ने ऐसा क्यों किया

केपटाउन । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सदस्य देशों का कर्तव्य है क्योंकि यह अब भी इस खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अपने शीर्ष खिलाड़ियों को एसए20 लीग में खेलने की अनुमति देकर न्यूजीलैंड के दौरे के लिए दूसरी श्रेणी की टेस्ट टीम का चयन किया है जिसमें सात खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। एसए20 की फ्रेंचाइजी टीमों स्वामित्व आईपीएल टीम के मालिकों के पास है तथा फ्रेंचाइजी क्रिकेट को प्राथमिकता देने के फैसले की विश्व क्रिकेट में कड़ी आलोचना हो रही है। रोहित से जब क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के फैसले के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा, मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट अब भी वास्तविक चुनौती है और हम चाहते हैं कि इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलें लेकिन हर किसी की अपनी समस्याएं हैं जिनसे उन्हें निपटना है और उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि इसके पीछे कुछ कारण हैं। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चाहते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी खेलें। रोहित ने कहा, मैं नहीं जानता कि इसके (दक्षिण अफ्रीका का शीर्ष खिलाड़ियों का चयन नहीं करना) पीछे क्या कारण हैं। टेस्ट क्रिकेट में आप चाहते हैं कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहें लेकिन मैं नहीं जानता कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका में आपस में क्या बातचीत हुई। जहां तक मेरा मानना है तो टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें आपको हर दिन चुनौती का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट का हम सभी को बचाव करना चाहिए। यह एक या दो देशों की नहीं बल्कि क्रिकेट खेलने वाले सभी देशों की जिम्मेदारी है।

एक शर्मनाक रिकॉर्ड हुआ पाकिस्तान के नाम, 147 सालों के इतिहास में आज तक कोई नहीं कर पाया

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीन टेस्ट मैच की सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन पाकिस्तान ने एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है जो टेस्ट क्रिकेट के 147 सालों के इतिहास में आज तक कोई नहीं कर पाया। सिडनी टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी मेहमान टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज -अब्दुल्ला शफीक और सईम अय्यूब- बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक कैलेंडर ईयर की शुरुआत दोनों सलामी बल्लेबाजों के शून्य पर आउट होने से हुई है। जी हां, इससे पहले आज तक ऐसा नहीं हुआ है। बात अब्दुल्ला शफीक और सईम अय्यूब के विकेट की करें तो, मैच की दूसरी ही गेंद पर मिचेल स्टार्क ने अब्दुल्ला शफीक को अपना शिकार बनाया। ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर ड्राइव लगाने के प्रयास में शफीक स्टीव स्मिथ को दूसरी स्लिप में अपना कैच थमा बैठे और 2 गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद आउट होने का नंबर डेब्यूटंट सईम अय्यूब का था। जोश हेजलवुड ने भी दूसरी गेंद पर अपना पहला शिकार किया। मिडिल और लेग स्टंप पर पड़ी गेंद बाहर की तरफ जा रही थी। अय्यूब के पास गेंद छोड़ने का कोई मौका नहीं था, गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेतर हुए विकेट कीपर ऐलेक्स कैरी के दस्तानों में गई। इस तरह पहले दो ओवरों में ही पाकिस्तान ने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों को खोया। बात मुकाबले की करें तो पहले दिन के लंच तक मेजबान ऑस्ट्रेलिया कमांडिंग पोजिशन में नजर आ रही है। पाकिस्तान ने 24 ओवर में 75 के स्कोर पर अपने 4 प्रमुख बल्लेबाजों को खो दिया है। अब्दुल्ला शफीक और सईम अय्यूब के अलावा बाबर आजम (26) और साउद शकील (5) भी सस्ते में पवेलियन लौटे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के अलावा पैट कमिंस ने दो विकेट चटकाए। कमिंस ने तीसरी बार इस सीरीज में बाबर आजम को अपना शिकार बनाया। बता दें, ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज के पहले दोनों मुकाबले जीतकर 2-0 की अजेय बढ़त बना चुका है।

बाबर आजम को मुश्ताक अहमद ने दी बेशकीमती सलाह, बोले- विराट कोहली ने जो किया, अब तुम भी वही करो

नई दिल्ली *। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की फॉर्म पिछले कुछ समय से अच्छी नहीं है। वह 2023 में टेस्ट में एक भी फिफ्टी नहीं जमा सके। बाबर इन दिनों ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं लेकिन टच में नजर नहीं आ रहे। वह सीरीज में बतौर प्लेयर खेल रहे हैं। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। कठिन दौर से गुजर रहे बाबर को पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज स्पिनर मुश्ताक अहमद ने एक बेशकीमती सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बाबर को भी विराट कोहली की तरह कुछ समय के लिए क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहिए ताकि वह फ्रेश माइंड के साथ दमदार वापसी कर सकें। मुश्ताक से जब क्रिकेट पाकिस्तान यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान पूछा गया कि बाबर की फॉर्म पर असर पड़ने की वजह क्या है? इसके जवाब में पूर्व स्पिनर ने कहा, बाबर हमारा हीरो है। उसने परफॉर्मेंस की है। वह दुनिया के टॉप प्लेयर्स में से है। लेकिन वह बतौर कप्तान एशिया कप हारे। फिर आप वर्ल्ड कप में हारे और कप्तानी चली गई। कई तरह की अटकलें लगीं और मुश्किल आईं। कई दफा हमारा कल्चर में यह महसूस नहीं किया जाता है। अगर मैं उधर तो उनसे कहता कि आप रेस्ट करो। आप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट छोड़ा और आने वाली सीरीज पर फोकस करो। उन्होंने कहा, खुदा ना खास्ता बाबर से टेस्ट के अलावा न्यूजीलैंड सीरीज में या आगे कुछ ना हुआ तो एकदम से बहुत ज्यादा नीचे चला जाएगा। हम कई दफा छोटी-छोटी कामयाबी के लिए बड़ी चीज हार जाते हैं। बाबर को मानसिक रूप से ब्रेक की जरूरत है। वह थका हुआ है। वह चार साल कप्तान रहे और काफी प्रयास किया। विराट कोहली की जब फॉर्म खराब हुई तो उन्होंने ब्रेक लिया। कोहली ब्रेक के बाद जिस तरह से वापसी की, वह अब तक शानदार टच में हैं। कितना ही बड़ा प्लेयर क्यों ना हो, उसे ब्रेक चाहिए होता। मुश्ताक ने आगे कहा, बाबर शायद ऑस्ट्रेलिया सीरीज इसलिए खेलने चला गया कि लोग सवाल खड़े करने लगे जाएंगे। वह सोच रहा हो कि लोग कहेंगे कप्तानी छोड़ने के बाद मैं खेलने को तैयार नहीं हूं। इन चीजों पर कई बार मैनेजमेंट को फैसला करना होता है। मैनेजमेंज को जिम्मेदारी से कहना चाहिए था कि बाबर आपके ऊपर 6 महीने में जितना प्रेशर पड़ा है, आपको रेस्ट लेना चाहिए। आप ब्रेक के बाद जल्द ही टीम में लौटेंगे।*

सुबह के नाश्ते में बनाएं ये लजीज व्यंजन, सेहत के लिए भी रहते हैं फायदेमंद

सुबह का वक्त हर किसी के लिए काफी अहम होता है। ऐसा कहा जाता है कि जैसा मूड आपका सुबह के वक्त होता है, उसी पर आपका पूरा दिन निर्भर करता है। ऐसे में लोग सुबह के वक्त अच्छी आदतों को फॉलो करते हैं। बात करें सुबह के नाश्ते की तो ये कहा जाता है कि सुबह के वक्त अच्छे से नाश्ता करना चाहिए। इससे ना सिर्फ दिन भर पेट भरा रहता है, साथ ही में शरीर स्वस्थ भी रहता है लेकिन स्कूल, कॉलेज, ऑफिस या किसी अन्य काम पर जाने वालों के पास इतना समय नहीं होता कि वो अच्छे से नाश्ता कर पाएं। ऐसे में लोगों को हेल्दी नाश्ता करने की सलाह दी जाती है। अक्सर लोगों को ये समझ नहीं आता कि वो नाश्ते में ऐसा क्या बनाएं, जो जल्दी बन भी जाए और हेल्दी भी हो। ऐसे में आज के लेख में हम आपको नाश्ते के कुछ ऐसे ही विकल्प बताने जा रहे हैं, जो आपके लिए काफी सही साबित हो सकते हैं। ये एक ऐसा विकल्प है, जिसे बनाना बेहद आसान है। नमकीन डालकर आप पोहा खा सकते हैं। अगर आपको सादा पोहा पसंद है तो ये भी एक बेहतर विकल्प है। बच्चों से लेकर बड़ों तक को ये पसंद आता है। आप अपनी पसंदीदा मसालों और सब्जियों के साथ कम समय में मूंग दाल का चीला आसानी से तैयार कर सकते हैं। हरे धनिए की चटनी के साथ ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। साउथ इंडिया के साथ-साथ पूरे देश में डोसा काफी ज्यादा पसंद किया जाता है। ये नारियल की चटनी के साथ नाश्ते में परोसा जाता है। डोसा बेहद कम तेल में बनता है, ऐसे में ये एक हेल्दी विकल्प है। अगर आप कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो हेल्दी होने के साथ-साथ स्वादिष्ट भी हो तो इडली सांभर एक बेहतर विकल्प है। आप चाहें तो इसके साथ नारियल की चटनी भी परोस सकते हैं।

युवा पढाई के अलावा राजनीति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रसर

सिटी चीफ

सतना, युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के मुख्य वाहक होते हैं इतिहास गवाह है कि आज तक दुनिया में जितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं चाहे वे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक रहे हों, उनके मुख्य आधार युवा ही रहे हैं भारत में भी युवाओं का एक समृद्धिशाली इतिहास है प्राचीनकाल में आदिगुरु शंकराचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी ने अपनी युवावस्था में ही धर्म एवं समाज सुधार का बीड़ा उठाया था

आचार्य कौटिल्य ने मगध की जनता को नंद वंश के शासन से मुक्ति दिलाने के लिए एक युवा चंद्रगुप्त मौर्य को अपना प्रमुख साधन बनाया था पुनर्जागरण काल में राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती के साथ विवेकानंद जैसे युवा विचारक ने धर्म एवं समाज सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया स्वामी विवेकानंद ने तो शिकागो धर्म सम्मलेन (1893) में अपनी ओजस्वी भाषण शैली एवं विद्वता के बलबूते भारतीय धर्म-दर्शन की विजय पताका फहरा दी थी। उनके

ओजस्वी भाषण के बाद पश्चिमी साम्राज्यवादी देशों के लोग भी भारतीय ज्ञान परंपरा से अचंभित हो गए थे

आधुनिक काल में टीपू सुल्तान, रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे युवा क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आंदोलनों को सफल बनाने एवं उनके नेतृत्व में भारत को आजादी दिलाने में कई युवा नेताओं का भी योगदान रहा है। यदि आजादी से लेकर अब तक के सात दशकीय समकालीन भारत के इतिहास की बात की जाए तो इस काल में भी हुए कई आंदोलनों और परिवर्तनों का नेतृत्व युवाओं ने ही किया है। भारत को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने (हरित क्रांति) से लेकर परमाणु शक्ति संपन्न बनाने तक का जिम्मा युवा कंधों ने उठाया। कंप्यूटर क्रांति व नई आर्थिक नीति भी युवा मस्तिष्क की ही उपज थी।यदि वर्तमान भारत की बात की जाए तो यह दुनिया का सबसे युवा देश है। जनसंख्या के आंकड़ों के मुताबिक भारत में पच्चीस वर्ष तक की आयु वाले लोग कुल जनसंख्या का पचास फीसद हैं, वहीं पैंतीस वर्ष तक वाले कुल जनसंख्या का पैंसठ फीसद हैं। यही कारण है कि इसे दुनिया भर में उम्मीद की नजरों से देखा जा रहा है और इक्कीसवीं सदी की महाशक्ति होने की भविष्यवाणी की जा रही है। युवा आबादी ही देश की तरक्की को रफ्तार प्रदान कर सकती है। जैसा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि हमारे पास युवा संसाधन के रूप में अपार संपदा है और यदि समाज के इस वर्ग को सशक्त बनाए जाए तो हम बहुत जल्द ही महाशक्ति बनने के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं

पूर्वोत्तर में यही हाल है। देश में तेजी से फैलता नशाखोरी का जाल भी युवाओं को अपने चपेट में ले रहा है जिसमें पंजाब का उदाहरण प्रमुख है। ऐसी मुश्किल स्थिति में युवाओं को उपयुक्त मार्गदर्शन की अति आवश्यकता है। भारत की युवाशक्ति को सकारात्मक कार्यों में प्रयुक्त करने की जरूरत है। आवश्यकता है ऐसे प्रेरणा स्रोतों एवं पथ-प्रदर्शकों की, जो युवा पीढी को सकारात्मक और बेहतर रास्ता दिखा सकें युवाओं के दिग्भ्रमित होने और गलत रास्ते पर जाने का एक कारण लोग बेरोजगारी को मानते हैं। लेकिन युवाओं को अपनी ये मानसिकता बदलनी होगी कि सरकारी नौकरी ही रोजगार का एकमात्र जरिया है। भारतीय समाज में यह आमधारणा है कि सरकारी नौकरी ही जीवन की सफलता का पैमाना है। समाज के लोगों को इस धारणा को बदलना होगा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तो भारत के युवाओं का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है, लेकिन प्रतिभा-पलायन की वजह से हम उनका लाभ नहीं ले पा रहे हैं। हमें यह समझना होगा कि युवाओं की तरक्की से ही देश होगी। जिस दिन राजनीति से लेकर प्रशासन तक, समाज से लेकर विज्ञान तक, खेल से लेकर कारोबार तक युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी, उस दिन देश का भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह पहुंचे बुधनी के शाहगंज मुख्यमंत्री नही बनाए जाने पर साफ झलका दर्द।

आज पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधनी के शाहगंज पहुंचे, जहा भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया, लेकिन कभी अपने आप को टाइगर अभी जिंदा हे कहने वाले शिवराज सिंह चौहान आज कुछ निराश नजर आए, शिवराज ने निराश मन से कहा कि मुख्यमंत्री के पद तो आ जा सकते है लेकिन मामा और भाई का पद कभी कोई नही छीन सकता है, वही उन्होंने कहा कि राजतिलक होते होते वनवास हो जाना भी कोई बड़ा उद्देश्य होगा, ये कहकर शिवराज ने अपने अंतर्मन की पीड़ा को भी उजाकर, साथ ही शिवराज सिंह ने केंद्र की ओर साफ इशारा करते हुए कह दिया कि मामा आपके बीच ही रहेगा, वही हम अब बात करते हे कि कुछ दिनों से मामा जहा भी जाते है, वहा महिलाए उनके गले लिपटकर रोने लगती है, ऐसा नजारा आज शाहगंज में देखने को मिला।

मैहर की जनसुनवाई में प्राप्त हुये 21 आवेदन

सिटी चीफ

मैहर, मैहर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में मैहर कलेक्टर श्रीमती श्रीमती रानी बाटड और पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर अग्रवाल ने 21 आवेदकों की समस्याओं पर सुनवाई की। आवेदकों से शिकायतों के प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई करते हुये निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही आवेदनकर्ताओं को शिकायत का निराकरण हो जाने का आवश्वासन दिया। इस मौके पर एसडीएम मैहर सुरेश जादव, सीईओ प्रतिपाल बागरी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में ग्राम सोनवारी के आवदेनकर्ता भगवान दीन ने बताया कि अपने खेत में मवेशी चराने के दौरान विद्युत मंडल के कर्मचारियो ने प्रकरण पंजीबद्ध कर दिया गया है। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारी को मामले की जांच सौंपते हुये भगवानदीन के प्रकरण का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार ग्राम घुनवारा की दुलारी बाई साहू द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई कि आशा देवी और संजू साहू ने प्रताड़ित करते हुये घर से निकाल दिया है। जिसे देखने वाला उसका कोई नहीं है। जिस पर संज्ञान लेते हुए नायब तहसीलदार को तत्काल जांच करने और मामले का जल्द से जल्द निराकरण करने के लिए आदेशित किया गया।

हरदासपुर पंचायत कोटेदार की दबंगई
गरीबों के हक के राशन पर डाका डाला

मैहर, मैहर जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदासपुर का कोटेदार शिवगोपाल सिंह व समिति प्रबंधक मुनेंद्र पटेल मिलकर गरीबों के हक का राशन गटक (खा) गए बता दें कि हरदासपुर की गरीब जनता राशन के लिए कोटा जाती है तो कोटेदार शिवगोपाल सिंह गरीब भोली भाली जनता से मशीन में अंगूठा लगवा लेता है और गल्ला नहीं देता किसी को चार माह का गल्ला नहीं दिया तो किसी को दो माह का नहीं दिया हरदासपुर की गरीब भोली भाली जनता ने बताया वह अपना अपना राशन कार्ड दिखाए जिसमें कोटेदार शिवगोपाल सिंह द्वारा एंट्री तो हुई पर गल्ला नहीं दिया गया इस विषय को जब

कोटेदार शिवगोपाल सिंह से नव स्वदेश प्रतिनिधि ने चर्चा करनी चाही तो पाया गया कि कोटेदार फूल शराब के नशे में था फिर भी उससे बात की गई तो उसका कहना था की गल्ला ही कम आवंटन होता है जब आवंटन पूरा आ जाएगा तो उपभोक्ता को पूरा गल्ला इकट्ठा दे दिया जाएगा जब कोटेदार से कोटा आईडी नंबर मांगी गई जिसको पीडीएस अप में डालकर कोटा की सारी जानकारी आ जाती की किस माह में कितना आवंटन उठा कितना वेयरहाउस से उठाया गया है लेकिन कोटेदार ने कोटा आवंटन आईडी नहीं बताई ऊपर से बदतमीजी करने लगा ग्रामीणों ने बताया यह कोटेदार दिनभर शराब के नशे में धुत रहता है ऐसे ही उपभोक्ताओं से बदतमीजी करता रहता है वही हरदासपुर के स्थानीय जनप्रतिनिधि बालेश सिंह समाज सेवी ने हरदासपुर की जनता जनार्दन की हक लड़ाई में साथ खड़े रहना भी बताया कोटेदार अपने राजनीतिक पकड़ के कारण पूर्व में कोटा हरदासपुर पंचायत से अन्यत्र शिफ्ट करवा लिया था लेकिन बाद में लोगों के विरोध के चलते वापस कोटेदार ने अपनी पुरानी जगह आकर कोटा खोल दिया और हरदासपुर की गरीब जनता का हक के राशन पर डाका डाल कर भ्रष्टाचार किया कोटेदार की दबंगई से प्रताड़ित हरदासपुर की गरीब जनता को कब न्याय मिलेगा माननीया मैहर जिला कलेक्टर खुद संज्ञान में ले गरीबों के हक का राशन गरीबों को दिलाया जाए प्रताड़ित गरीब जनता राम सलोने शुक्ला कृष्ण पाल दहिया बाल्मीक पटेल राम सजीवन सिंह विमला सेन सावित्री आरती सिंह शैलेन्द्र सिंह केशव प्रसाद विश्वकर्मा छोटे लाल सिंह पटेल इत्यादि ग्रामीण जन।

मुख्यमंत्री मोहन का बड़ा फैसला
मध्यप्रदेश के हर गांव में लगेंगे CCTV

नए साल के मौके पर सीएम ने कहा कि अपराधों पर प्रभावी निगरानी एवं अपराधों की ट्रेसिंग के लिये अब गांवों के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर भी पंचायतों के माध्यम से सीसीटीवी कैमरे लगवाये जायें. इसके लिए उन्होंने जन सहयोग की बात भी कही, सीएम ने शहरों में सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाई जाने के भी निर्देश दिये जिससे अपराधों और अपराधियों पर निगरानी कर उस पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

पेट्रोल/डीजल पंपों पर पीओएल की उपलब्धता रखने के निर्देश

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पेट्रोल पंपों की सतत् मानीटरिंग करेंगे

बुरहानपुर/- कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने वाहन चालकों की हड़ताल को देखते हुए जिले के समस्त पेट्रोल/डीजल पंपों पर पीओएल की उपलब्धता एवं खुले में पेट्रोल/डीजल विक्रय पर रोकथाम हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है। उन्होंने समस्त कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को निर्देशित किया है, कि अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले पेट्रोल पंपों की सतत् मॉनीटरिंग करें। वहीं समस्त पेट्रोल/डीजल पंपों पर पीओएल की उपलब्ता आपातकालीन स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए 2500-2500 लीटर डीजल तथा पेट्रोल का रिजर्व स्टॉक संग्रहित रखने हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होंने निर्देश दिये है कि, वाहन के अलावा किसी भी प्रकार के डिब्बों /बोतलों /केनो /ड्रमों या अन्य वस्तुओं में पेट्रोल/डीजल प्रदाय पूर्णतः प्रतिबंधित है।प्राप्त निर्देशों के परिपालन में आज अधिकारियों ने काजी किसान सेवा केन्द्र बहादरपुर, अग्रवाल पेट्रोल पंप, एच.एस.फ्यूल बुरहानपुर, अमरिक सिंह पेट्रोल पंप, गुरूकृपा फिलिंग सेंटर नेपानगर, हरिओम पेट्रोलियम शाहपुर और वैभव फ्यूल स्टेशन शाहपुर इत्यादि पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। इस दौरान पेट्रोल पंप संचालकों को रिजर्व स्टॉक रखने तथा खुले पात्र एवं डिब्बों में पेट्रोल न देने की समझाईश भी दी गई। पुलिस द्वारा भी निरंतर पेट्रोलिंग की जा रही है।जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमति अर्चना नागपुरे ने जानकारी देते हुए बताया कि, जिले में पंद्रह टेंकर्स के माध्यम से ढाई लाख लीटर पेट्रोल एवं पचास हजार लीटर डीजल की उलब्धता ठाकुर नवलसिंह पम्प (आईओसी), एच. एस. फ्यूल्स (एचपीसीएल), सुपर फ्सुल्य (एचपीसीएल), पी.एस. एनर्जी (एचपीसीएल), अमृत फ्युल्स (एचपीसीएल), वैभव फिलींग स्टेशन (एचपीसीएल), गुरसिख फ्युल्स (बीपीसीएल), अमरिक सिंग केरियर (बीपीसीएल), चितवन फ्युल्स (एचपीसीएल), फयाज एंड ब्रदर्स (आईओसी) एवं शिवम फ्युल्स (आईओसी) इत्यादि पेट्रोल पम्पों पर सुनिश्चित की गई है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा हितग्राहियों के लिए वरदान, जन-जन में जागरूकता का स्रोत

कलेक्टर संदीप जी.आर. के नेतृत्व में बढ़ती जा रही भारत संकल्प यात्रा

छतरपुर, कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले के आठ विकासखण्डों में पहुंच रही है और योजनाओं की जानकारी जन जन को मिल रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा हितग्राहियों के लिए वरदान साबित हो रही है। मंगलवार को ग्राम मझपटिया, सिचहरी, देवपुर द्वितीय, बिक्रमपुरा, गुधौरा, मुड़ेरीउत्तरी, नैनागिरी, मानकी, खरयानी, पल्कौहां, रमपुरा, चौका, धौगुवां, पहाड़ीबावन, मानपुरा एवं खुर्दा में विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची। विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथों में लगी एलईडी स्क्रीन द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों एवं योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी गई। योजनाओं का लाभ देने विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र सरकार के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी के अंतर्गत अपने अनुभव साझा किये गये।

रूस ने मिसाइल से यूक्रेन के शहरों को बनाया निशाना

5 की मौत, 100 के करीब घायल

कीव: रूस ने यूक्रेन के दो सबसे बड़े शहरों पर मंगलवार को मिसाइलों से हमला किया जिनमें पांच लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 100 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। युद्ध के दो साल होने को आए हैं और इसके साथ ही रूस ने सर्दियों में शहरी इलाकों में बमबारी तेज कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि राजधानी कीव पर किए गए हमले में चार आम लोगों की मौत हुई है और 92 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि किनझल मिसाइलों से राजधानी पर हमला किया गया जो ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक गति से जा सकती हैं। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर पूर्वी शहर खारकीव में रूस के हमले में एक अन्य व्यक्ति की मौत हुई है। यूक्रेन के कमांडर-इन-चीफ जनरल वलेरी जालुजनी ने दावा किया कि हवाई रक्षा बलों ने रूस द्वारा दागी गई सभी 10 हाइपरसोनिक मिसाइलों सहित करीब 100 विभिन्न प्रकार की मिसाइलों को नाकाम कर दिया है। रूस ने शुक्रवार से अपने हमले तेज कर दिए हैं और लगातार यूक्रेन के शहरों को निशाना बना रहा है। शुक्रवार को किए हमले में एक दिन में सबसे अधिक 41 आम लोग मारे गए थे युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक शुक्रवार को किए हमले में एक दिन में सबसे अधिक 41 आम लोग मारे गए थे। राजधानी कीव में नौ मंजिला अपार्टमेंट में दो लोग मारे गए। 48 वर्षीय इन्ना लुहिना और उनकी 80 वर्षीय मां सहित परिवार के सदस्य हमले की चपेट में आ गए। इमारत पर हुए हमले में बचे करीब 100 लोगों ने स्कूल की इमारत में अस्थायी शरण ली है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर जारी पोस्ट में बताया कि रूस ने विभिन्न तरह की करीब 100 मिसाइलें दागी हैं। उन्होंने दावा किया कि कम से कम 70 मिसाइलों को नाकाम कर दिया गया और ये सभी मिसाइलें कीव इलाके को निशाना बनाकर दागी गई थीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने दावा किया कि पश्चिमी देशों द्वारा दी गई हवाई रक्षा प्रणाली पेट्रॉयट और एनएएसएएमएस ने सैकड़ों जिंदगियां बचाई हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने कीव और उसके आसपास सैन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक पश्चिम द्वारा आपूर्ति की गई मिसाइलों और युद्ध सामग्री का भंडारण करने वाले डिपो को भी निशाना बनाया गया। बिना विस्तृत जानकारी दिए रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, '' सभी हमले के उद्देश्यों को प्राप्त किया गया और सभी लक्ष्यों को भेद दिया गया।%% रूस के दावे की स्वतंत्र तरीके से पुष्टि नहीं हो सकी है। रूसी बलों ने अब तक 170 शाहेद ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया: जेलेंस्की जेलेंस्की ने कहा कि रविवार से अब तक रूसी बलों ने 170 शाहेद ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया और उसके निशाने पर अधिकतर गैर सैन्य इलाके थे। रूस ने हाइपरसोनिक केएच-47एम2 किंझल बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागी हैं। रूसी बल यूक्रेन के खिलाफ विरले ही इन महंगी मिसाइलों का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि उनके पास इनकी सीमित संख्या है। रूस ने इससे पहले दावा किया था कि उसके सीमावर्ती शहर बेलगोरोड को यूक्रेन ने निशाना बनाया जिसमें कम से एक दर्जन लोग मारे गए। यूक्रेन के खिलाफ करीब 22 महीने पहले रूस द्वारा युद्ध छेड़े जाने के बाद से शुक्रवार को उसके शहर पर हुआ अब तक सबसे घातक हमला था। रूसी अधिकारियों ने बताया कि सोमवार तक मृतकों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है जिनमें पांच बच्चे शामिल हैं। पिछले साल मई से ही पश्चिमी रूस के शहर लगातार ड्रोन हमले के निशाना बन रहे हैं। हालांकि, यूक्रेन के अधिकारियों ने कभी स्वीकार नहीं किया है कि उन्होंने रूस के इलाके या क्रीमिया प्रायद्वीप पर हमला किया है। पुतिन ने सोमवार को कहा, ''वे हमे धमकाना चाहते हैं और हमारे देश में अनिश्चतता पैदा करना चाहते हैं। हम अपने हमले तेज करेंगे। हमारे आम लोगों के खिलाफ अंजाम दिए गए प्रत्येक अपराध के लिए दंडित किया जाएगा। रूस ने बेलगोरोड पर हमले को 'आतंकवादी हमला करार दिया। रूस ने सोमवार को यूक्रेन पर शाहेद ड्रोन से 90 हमले किए।

सिंगल कॉलम

आज त्रिशूर में मोदी विशाल सभा को करेंगे संबोधित, कार्यक्रम में लाखों महिलाएं होंगी शामिल

तिरुवनंतपुरम: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को त्रिशूर में दो लाख महिलाओं की एक विशाल सभा को संबोधित करेंगे। इसे आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनावी बिगुल माना जा रहा है। संसद के दोनों सदनों में महिला आरक्षण विधेयक को पारित होने पर मोदी को बधाई देने के लिए भाजपा की केरल इकाई ने थेक्किनकाडु मैदान में 'तीन शक्ति मोदीक ओप्पम नामक सम्मेलन का आयोजन किया है। विभिन्न पृष्ठभूमि की महिलाओं के इस कार्यक्रम में भाग लेने की उम्मीद आंगनवाड़ी शिक्षकों, आशा कार्यकर्ताओं, उद्यमियों, कलाकारों, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न पृष्ठभूमि की महिलाओं के इस कार्यक्रम में भाग लेने की उम्मीद है। हालांकि इस कार्यक्रम को महिलाओं की एक विशाल बैठक के रूप में योजनाबद्ध किया गया है लेकिन इसे केरल में राजनीतिक पैठ बनाने के प्रयास में आगामी आम चुनावों के लिए भाजपा द्वारा चुनाव अभियान की आधिकारिक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। केरल की राजनीति में वर्तमान में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) का प्रभुत्व है। भाजपा को आगामी चुनावों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि लोकसभा चुनाव से पहले अगले कुछ महीनों में और अधिक राष्ट्रीय नेता दक्षिणी राज्य का दौरा करेंगे और लोगों से संवाद स्थापति करेंगे। त्रिशूर को सामूहिक कार्यक्रम स्थल के रूप में चुना जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है जहां भाजपा को आगामी चुनावों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख के सुरेंद्रन ने कहा है कि त्रिशूर में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की महिलाएं होंगी, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने वाली प्रमुख हस्तियां भी शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी की त्रिशूर यात्रा दक्षिणी राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगी। सुरेंद्रन ने त्रिशूर में संवाददाताओं से कहा, ''अभिनेत्री-नृत्यांगना शोभना, क्रिकेटर मिन्नू मणि, उद्यमी बीना कन्नन, गायिका वाईकॉम विजयलक्ष्मी और भ्रष्टाचार एवं लालफीताशाही के खिलाफ आवाज उठाने वाली मारियाकुट्टी उन लोगों में शामिल होंगी जो प्रधानमंत्री के साथ कार्यक्रम स्थल साझा करेंगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के तहत केरल की विभिन्न वर्ग की महिलाएं त्रिशूर में एकत्र होंगी और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम बन जाएगा। सुरेंद्रन ने दावा किया कि सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ जल्द ही राज्य में राजनीति में अपना प्रभुत्व खो देंगे।

इंदौर की सेंट्रल जेल में खूंखार अपराधी से मिला मोबाइल, प्रहरियों से उलझने पर बदलेगी जेल

इस घटना के बाद जेल मुख्यालय ने उन कैदियों का रिकार्ड मांगा जो जेल में अशांति फैलाते हैं।

इंदौर। सेंट्रल जेल में खुंखार अपराधी जुबैर से मोबाइल मिलने के मामला गंभीर हो गया है। जेल मुख्यालय ने मामले को गंभीरता से लिया है। अधिकारियों ने उसकी जेल बदलने की रिफारिश की है। जुबैर जेल प्रहरियों से भी विवाद करता है। इसके पूर्व भी उसे भोपाल से शिफ्ट किया गया था।करीब पांच दिन पूर्व चक्कर अधिकारी इंद्रसिंह नागर ने कुख्यात अपराधी जुबैर मौलाना से सिम और मोबाइल जब्त किया था। जुबैर बैरक नंबर 7 में बंद है। तलाशी लेने वाले प्रहरी ललितकुमार और बलराम से उसने विवाद भी किया। जेल अफसरों ने मामले की भोपाल में रिपोर्ट भेजी और जेल शिफ्ट करने की सिफारिश की। इस घटना के बाद जेल मुख्यालय ने उन कैदियों का रिकार्ड मांगा जो जेल में अशांति फैलाते हैं। भोपाल में महिला प्रहरी से विवाद करने पर इंदौर भेजा जुबैर मौलाना इसके पूर्व भोपाल जेल में बंद रहा है। यहां भी मुलाकात के दौरान समय सीमा को लेकर उसने महिला प्रहरी से विवाद किया था। अफसरों द्वारा समझाने पर उसने सिर फोड़कर हंगामा किया। अफसरों को उलझाने के लिए कोर्ट में परिवाद दायर कर पिटाई का आरोप लगा दिया। अफसरों ने कोर्ट को सीसीटीवी फुटेज दिखाए तो कोर्ट ने मामला समझा। इसके बाद जुबैर मौलाना को इंदौर की सेंट्रल जेल भेज दिया गया। जेल से गैंग चला रहे गुंडे सेंट्रल जेल में सलमान लाला जैसे कई गुंडे बंद हैं। लाला के पास खजराना, चंदन नगर, एमआइजी, विजय नगर, आजाद नगर के आपराधिक किस्म के युवाओं की फौज है। उससे मुलाकात कर लोगों से वसूली करते हैं। उसके इशारे पर ही आरोपित अपराध करते हैं। जेल अफसरों के मुताबिक जेल में मनमानी करने वाले कुछ अपराधियों की फाइल तैयार की गई है। जल्द ही उन्हें अन्य जेल में शिफ्ट कर दिया जाएगा।

मेटावर्स की वर्चुअल दुनिया में किशोरी के डिजिटल स्वरूप से दुष्कर्म

ब्रिटिश पुलिस ने दर्ज किया केस

ब्रिटेन में मेटावर्स पर वर्चुअल रियलिटी वीडियो गेम के दौरान एक किशोरी के डिजिटल स्वरूप के साथ पुरुषों के एक समूह ने दुष्कर्म किया। मेटावर्स पर वर्चुअल दुनिया में दुष्कर्म का यह अपनी तरह का पहला मामला बताया जा रहा है। इसमें किशोरी को शारीरिक रूप से उत्पीड़न का सामना तो नहीं करना पड़ा, लेकिन उसे मानसिक प्रताड़ता बिल्कुल उसी तरह सहनी पड़ी, जैसी किसी दुष्कर्म पीड़िता को सहनी पड़ती है। पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ब्रिटेन के एक अखबार ने लिखा, किशोरी का आभासी स्वरूप वर्चुअल रियलिटी गेम के एक ऑनलाइन रूम में था, जिसमें और भी कई लोग मौजूद थे। इसी दौरान उसे हमले का शिकार बनाया गया। ब्रिटेन के नेशनल पुलिस चीफ काउंसिल के बाल अधिकार और उत्पीड़न जांच प्रमुख इयान क्रिचले ने कहा, मेटावर्स ने यौन अपराधियों को गंभीर अपराध करने का मौका मुहैया करा दिया है। इसलिए हमारी सामूहिक लड़ाई इस केस जैसे शिकारियों के खिलाफ है, ताकि सुनिश्चित कर सकें कि हमारे युवा ऑनलाइन रूप से सुरक्षित रहें और तकनीक का इस्तेमाल बिना किसी भय के कर सकें।

विवेक रामास्वामी ने की सीएनएन की आलोचना

संयुक्त राज्य अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। चुनाव में अब कुछ ही महीने बचे हैं। सभी उम्मीदवार चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक और रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी ने एलान किया कि वह आयोवा प्रांत में होने वाली पांचवीं जीओपी बहस में भाग नहीं लेंगे। इसके बदले वह इस दिन टिम पूल के साथ लाइव ऑडियंस शो करेंगे। सीएनएन पर साधा निशाना रामास्वामी ने एक्स पर सीएनएन की आलोचना की और भविष्यवाणी की कि 10 जनवरी को आयोवा में होने वाली बहस आधुनिक इतिहास की सबसे उबाऊ बहस होगी। उन्होंने सीएनएन द्वारा आयोजित होने वाली आयोवा बहस को फर्जी बताया है। रामास्वामी ने कहा कि सीएनएन की साजिशों से दूर हम 10 जनवरी को डेस मोइनेस में टिम पूल के साथ लाइव ऑडियंश शो करेंगे। हम इससे पीछे हटने वाले नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएनएन उनके साथ पक्षपात कर रहा है। उन्होंने ट्वीट कर कई घटनाओं का हवाला दिया कि कैसे सीएनएन पक्षपात कर गलत कवरेज कर रहा है। रामास्वामी ने ट्वीट कर सीएनएन के पक्षपाती रवैये की घटनाओं बारे में बताया- छह जनवरी को सीएनएन ने मेरे साथ आयोवा टाउनहॉल में बातचीत की। इस दौरान मैंने सही तरीके से कई सच्चाइयां उजागर की, इस शॉर्ट को सीएनएन ने 13 दिसंबर को अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिया। यह बेहद अपमानजनक था। हालांकि, सीएनएन इस आरोप को खारिज कर दिया था। 14 दिसंबर को सीएनएन ने मुझे फोन किया और धमकी दी।

अफगानिस्तान में देर रात लगे 4.4 की तीव्रता के भूकंप के झटके

भारत के इन दो राज्यों में भी डोली धरती

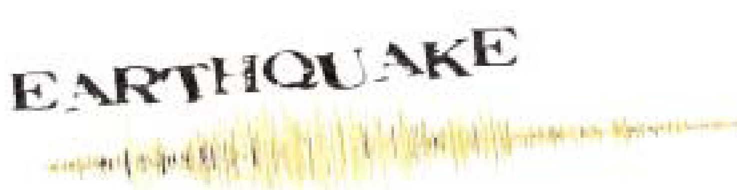

नेशनल डेस्क: जापान और म्यांमार के बाद अब अफगानिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। देर रात आए भूकंप के इन झटकों की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.4 मैग्नीट्यूड मापी गई है। नेशनल सीस्मोलॉजी सेंटर के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र फैजाबाद से 126 किमी पूर्व में था। एनसीएस ने ट्वीट कर बताया कि अफगानिस्तान में देर रात 12 बजकर 28 मिनट और 52 सेकंड पर भूकंप के झटके लगे थे। इस भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 80 किमी गहराई में था। इसकी लोकेशन फैजाबाद से 126 पूर्व दिशा की ओर थी। इससे कुछ देर पहले ही भारत के उत्तर पूर्वी राज्य मणिपुर में धरती हिली थी। यह भूकंप देर रात 12 बजकर एक मिनट और 36 सेकंड पर आया था। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.0 मापी गई थी। मणिपुर के अलावा बंगाल में भी देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिनकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई है।

अब कैंसर की दवा से होगा डायबिटीज का इलाज

वैज्ञानिकों ने दो दवाएं मिलाकर बनाई नई दवा

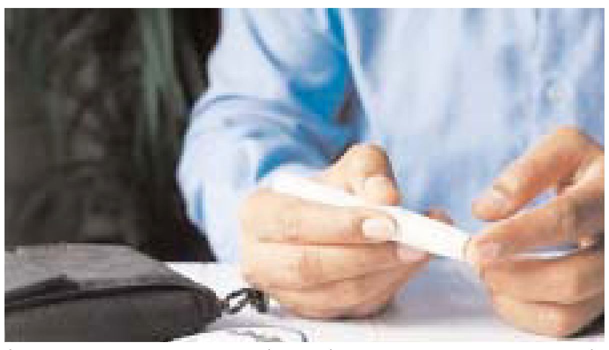

अब कैंसर की दवा से डायबिटीज का इलाज होगा। ऑस्ट्रेलिया के बेकर हार्ट इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक अपने शोध के दौरान पेंक्रियाटिक स्टेम कोशिकाओं में ऐसे बदलाव करने में कामयाब रहे। इसके बाद कोशिकाएं ज्यादा इंसुलिन पैदा करने लगीं। नेचर पत्रिका में छपे एक शोध पत्र के मुताबिक, शोधकर्ताओं ने रिसर्च में कैंसर की दो दवाओं का इस्तेमाल किया जो अमेरिका की खाद्य-दवा प्रशासन से मान्यता प्राप्त हैं। मोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक इस दिशा में पहले शोध कर चुके हैं, जिसे बेकर हार्ट के वैज्ञानिकों ने और आगे बढ़ाया है। वैज्ञानिकों का अगला कदम इस दवा का जानवरों पर परीक्षण होगा। लेकिन, बेकर इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक सैम अल-ओस्ता ने कहा, यह इलाज, मनुष्यों व पशुओं दोनों के लिए फायदेमंद हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, विश्व में डायबिटीज के 42 करोड़ से ज्यादा मरीज हैं। इनमें से ज्यादातर गरीब देशों में हैं। हर वर्ष यह बीमारी 15 लाख से ज्यादा जानें लेती है। कुछ दशकों से मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। डायबिटीज के मामले में भारत दुनिया के दस बड़े देशों में है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 95,600 लोगों को टाइप-1 डायबिटीज थी। कैंसर की दवाओं ने किया काम प्रोफेसर अल-ओस्ता ने बताया, शोध में वैज्ञानिकों ने टाइप-1 डायबिटीज के मरीजों के दान किए उत्तकों को एक प्लेट में रखा और उन पर कैंसर की दवाओं का इस्तेमाल किया। कुछ ही दिनों में वे इंसुलिन पैदा करने लगे। इनमें बच्चों व वयस्कों, दोनों के उत्तक शामिल थे। ृमोनाश यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मरीज की बची हुई पेंक्रियाटिक कोशिकाओं को प्रभावित करने का तरीका खोजा है। इससे उनसे बीटा कोशिकाओं की तरह इंसुलिन पैदा किया जाएगा।

जापान में भूकंप से अबतक 57 की मौत, इशिकावा में भारी नुकसान

पश्चिमी जापान में आए सिलसिलेवार भूकंप के मृतकों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है और कई इमारतें, वाहन तथा नौकाएं भी क्षतिग्रस्त हो गईं। अधिकारियों ने भूकंप के खतरे को देखते हुए मंगलवार को चेतावनी जारी कर कुछ क्षेत्र में लोगों को अपने घरों से दूर रहने को कहा है। सोमवार को इशिकावा प्रांत और आसपास आए भूकंप के करीब 100 झटकों में सर्वाधिक 7.6 तीव्रता का भूकंप भी शामिल था। इशिकावा में सर्वाधिक मौतें हुईं, जबकि मकानों को काफी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन नहीं किया जा सका है। जापानी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि तटवर्ती शहरों में कीचड़ का सैलाब देखा गया। सरकार के प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में पानी, बिजली और सेलफोन सेवा अभी भी बंद है। निवासियों ने अपने नष्ट हुए घरों और अनिश्चित भविष्य के बारे में दुख जताया है। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने मंगलवार को कहा कि जापान की सेना ने बचाव प्रयासों में शामिल होने के लिए 1,000 सैनिकों को आपदा क्षेत्रों में भेजा है। कई घर बुरी तरह नष्ट, कई जगह टूट-फूट जापान में सोमवार को आए भूकंप में सर्वाधिक तबाही इशिकावा प्रांत में हुई है। यहां कई घर बुरी तरह से नष्ट हो गए हैं, जबकि अधिकांश में टूट-फूट काफी अधिक हुई है। यहां की निवासी मिकी कोबायाशी ने अपने घर में झाड़ू लगाते हुए कहा, ऐसा नहीं है कि यह गंदगी है। दीवार ढह गई है, और आप अगले कमरे में देख सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि हम अब यहां रह सकते हैं। 2007 के भूकंप में भी उनका घर टूट गया था। समुद्र तटीय क्षेत्रों में हालात बेहद विकट

समाचार वीडियो में ढहे मकानों की कतारें दिखाई गईं। कुछ लकड़ी के ढांचे चपटे हो गए और गाड़ियां पलट गईं। आधे डूबे हुए जहाज उन खाड़ियों में तैर रहे थे जहां सुनामी लहरें आई थीं, जिससे समुद्र तट पर कीचड़ हो गया था। हालांकि मंगलवार को सुनामी की चेतावनियां हटा ली गईं। राजमार्गों के कुछ हिस्से अब भी बंद हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569